डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

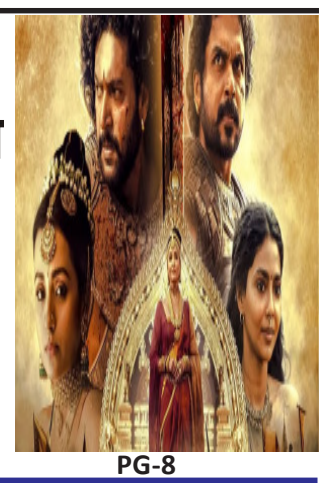

PG-8

सिनेमा:-ऐश्वर्या राय और मणिरत्नम की उपस्थिति में हुआ पीएस 2 का ट्रेलर लॉन्च

वर्ष -09 अंक -37 | प्रयागराज ,बुधवार, 12, अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पिछले नौ वर्षों में स्टार्टअप की संख्या में 300 गुना वृद्धि

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत में पिछले नौ वर्षों के दौरान स्टार्टअप की संख्या में 300 गुना तक वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह बातें सोमवार को एक कार्यक्रम

के दौरान कहीं। वह राष्ट्रपति भवन में आयोजित नेशनल इनोवेशन अवार्ड से संबंधित समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह अवार्ड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से जमीनी स्तर से जुड़े अन्वेषकों को प्रदान किया गया। सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में करीब 350 स्टार्टअप थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास के बाद इनमें बड़ा उछाल आया है। इसकी संख्या 90000 के करीब पहुंच गई हैं। इनमें 100 यूनिकार्न भी शामिल हैं। उन्होंने निजी उद्यमों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को खोले जाने को लेकर कहा कि केवल तीन वर्षों के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र में 100 से अधिक स्टार्टअप आ चुके हैं। ठीक उसी प्रकार बायोटेक से जुड़े स्टार्टअप 50 से बढ़कर 6000 के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं में प्रतिभा, क्षमता, नवाचार की कमी नहीं थी।

तमिलनाडु के सलेम रेलवे जंक्शन पर वंदे भारत के ऊपर लोगों ने बरसाए फूल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में वंदे भारत एक्सप्रेस की उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को तमिलनाडु में वंदे भारत एक्सप्रेस का आगाज हुआ है। इस मौके पर राज्य के सलेम रेलवे जंक्शन पर पहुंचकर वहां के लोगों ने वंदे भारत का भव्य स्वागत किया। तमिलनाडु में पत्र सूचना कार्यालय के ट्वीट के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर लोगों के हर्सोल्लास की जमकर तारीफ की।

कोवैक्सीन-कोविशील्ड लगवा चुके लोग ले सकेंगे कोवोवैक्स की डोज, कीमत 225 रुपये

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आपने कोरोना से बचाव के लिए भले ही कोविशील्ड या कोवैक्सीन की डोज ली हो, लेकिन अब बूस्टर डोज के तौर पर

कोवोवैक्स वैक्सीन लगवा सकेंगे। कोरोना रोधी वैक्सीन कोवोवैक्स 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर रजिस्ट्रेशन के लिए जल्द ही कोविन पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 225 रुपये प्रति डोज होगी। इसके अलावा इस पर जीएसटी भी लगेगा।'हेटेरोलागस बूस्टर' का अर्थ है कि दूसरी वैक्सीन लगाने वाले लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर 'कोवोवैक्स' लगाई जा सकेगी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सीरम इंस्टीट्यूट की 'कोवोवैक्स' वैक्सीन को वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के तौर पर कोविन पोर्टल में शामिल करने को मंजूरी दे दी है। सीरम इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रकाश सिंह द्वारा 27 मार्च को स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखे पत्र के बाद यह कदम उठाया गया है। सीरम के निदेशक ने मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में जिक्र किया था कि कोवोवैक्स विश्वस्तरीय टीका है और इसे कोविन पोर्टल पर वयस्कों के लिए 'हेटेरोलागस बूस्टर' डोज के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। पिछले माह कोविड-19 कार्यकारी समूह ने भी स्वास्थ्य मंत्रालय से उन वयस्कों के लिए कोवोवैक्स को हेटेरोलागस बूस्टर डोज के तौर पर पोर्टल में शामिल किए जाने की सिफारिश की थी जिन्होंने कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दो डोज ले ली है। इस टीके को विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूएसएफडीए की मंजूरी मिल चुकी है। कोरोना से निपटने की तैयारियों का पता लगाने के लिए माक ड्रिल कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को देशभर में सरकारी व निजी अस्पतालों में माक ड्रिल का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया दिल्ली में राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ योजना पर लगाई मुहर, कहा अदालत नीतिगत फैसलों पर नहीं उठाएगी सवाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सेनाओं में अल्पकालिक भर्ती की अग्निपथ योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें अग्निपथ योजना को बरकरार रखने संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अग्निपथ योजना लागू होने से पहले रैलियों जैसे भर्ती अभियान में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति का निहित अधिकार नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा व जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ ने हाई कोर्ट के फैसले के विरुद्ध गोपाल कृष्ण व अन्य और अधिवक्ता एमएल शर्मा द्वारा दायर दो अलग-अलग याचिकाओं को खारिज कर दिया। हालांकि पीठ ने अग्निपथ योजना की शुरुआत से पहले भारतीय वायुसेना में भर्ती से जुड़ी एक नई तीसरी याचिका पर सुनवाई 17 अप्रैल के लिए टाल दी और केंद्र से उस पर जवाब दाखिल करने के लिए कहा। पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए कहा, 'क्षमा कीजिए, हम हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। हाई कोर्ट ने सभी पहलुओं पर विचार

किया था।' वायुसेना में नौकरी के आकांक्षी कुछ अभ्यर्थियों की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अस्थायी चयन सूची में शामिल किया गया था और उन्होंने लिखित परीक्षा पास कर ली थी और शारीरिक व चिकित्सकीय परीक्षण में भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, 'सरकार लगातार कहती रही कि उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे जो कोविड-19 महामारी शुरू होने के कारण विलंबित हो रहे थे। अभ्यर्थी अर्धसैनिक बलों में भी शामिल नहीं हुए क्योंकि वे वायुसेना से नियुक्ति पत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे।' भूषण ने कहा कि अभ्यर्थी तीन वर्षों से नियुक्ति पत्रों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने इसे वचन बद्धता का सिद्धांत लागू करने का उचित मामला करार दिया। पीठ ने भूषण से कहा, 'यह अनुबंध नहीं है और वचन बद्धता का सिद्धांत व्यापक जनहित के अधीन है।' साथ ही कहा कि अदालत योजना के तहत बाद में अभ्यर्थियों की भर्ती को अमान्य नहीं करने जा रही है और भर्ती की पूर्व की प्रक्रिया को निरस्तीकरण को मनमाना नहीं कहा जा सकता। पीठ ने भूषण से कहा, 'इसमें हमारे हस्तक्षेप करने के लिए कुछ नहीं है और यह अनुबंध नहीं बल्कि जन रोजगार का मामला है।' याचिकाकर्ता गोपाल कृष्ण और अन्य की ओर से पेश अधिवक्ता अरुणाव मुखर्जी ने कहा कि वह अग्निपथ योजना को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि सिर्फ थलसेना व वायुसेना में पूर्व की भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी क्योंकि थलसेना के अंतिम परीक्षा को महामारी की वजह से कई बार स्थगित कर दिया गया था।वायुसेना के मामले में अंतिम परीक्षा आयोजित करने के बावजूद परिणाम घोषित नहीं किए गए थे। केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सालिसिटर जनरल एश्वर्य भाटी ने कहा कि हाई कोर्ट ने सभी संबंधित पहलुओं पर विचार किया था व विस्तृत फैसला सुनाया था।

सभी पालतू हाथियों को अब जल्द मिलेगी आधार जैसी यूनिक आइडी, करीब तीन सौ हाथियों की हुई एनडीए प्रोफाइलिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हाथियों की अवैध तरीके से होने वाली खरीद-बिक्री सहित उनके अंगों की होने वाली तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पालतू हाथियों की डीएनए प्रोफाइलिंग के प्रोजेक्ट को अब तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। जिसके तहत सभी पालतू हाथियों को आधार जैसे एक यूनिक पहचान नंबर से लैस किया जाएगा। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड व पंजाब सहित सात राज्यों में शुरू किया गया यह काम पूरा हो गया है। इन राज्यों में पाए जाने वाले करीब तीन सौ हाथियों की डीएनए प्रोफाइलिंग कर ली गई है। हालांकि देश में करीब तीन हजार पालतू हाथी है। हाथियों के संरक्षण से जुड़ी परियोजना के तीस साल पूरा होने के मौके पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह पहल की है माना जा रहा है कि इस कदम से पालतू और जंगली हाथियों के बीच पहचान हो सकेगी। साथ ही यह भी पहचानना आसान हो जाएगा कि कौन सा हाथी किसका है। अभी पालतू हाथियों को पहचानने का बड़ा संकट है। क्योंकि यह जैसे-

जैसे बढ़ते है वैसे इनका आकार भी बदलता जाता है। साथ ही तस्करी होने वाले हाथियों के अंग को पकड़ने के बाद अभी यह पहचान भी नहीं हो पाती है कि यह अंग किसी हाथी के है। हालांकि मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि डीएनए प्रोफाइल के जरिए तैयार होने वाले इस यूनिक पहचान नंबर से यह समस्या खत्म हो जाएगी। मौजूदा समय में सबसे ज्यादा पालतू हाथी केरल और असम में है। इनकी संख्या सात सौ से एक हजार के बीच है हाथियों के संरक्षण की परियोजना मंत्रालय के इसके साथ ही हाथियों के रखरखाव को लेकर भी बेहद संजीदा है। इसे लेकर उसने एक नई गाइडलाइन भी तैयार की है, जिसमें पालतू हाथियों को रखने वालों को अब उनके नहाने के लिए स्वीमिंग पूल और रहने के लिए शेड की अनिवार्य रूप से व्यवस्था करनी होगी। बता दें कि देश में हाथियों के संरक्षण की यह परियोजना 1992 में शुरू की गई थी। इस दौरान जिन राज्यों में पालतू हाथियों की डीएनए प्रोफाइलिंग किया गया है, उनमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड,पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा शामिल है।हाथियों के संरक्षण के लिहाज से वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने एक और अहम कदम उठाया है। जिसमें वह इनके सभी पारंपरिक गलियारों के संरक्षण में जुटा हुआ है। फिलहाल देश भर में फैले इन गलियारों की पहचान की जा रही है। जिसके बाद इन्हें अधिसूचित भी किया जाएगा। अब तक देश भर के 87 गलियारों की पहचान की गई है। माना जा रहा है कि इन गलियारों के अधिसूचित होने के बाद कोई भी सड़क और रेल परियोजना जब भी उसके आसपास से गुजरेगी, तो उनके संरक्षण पर भी ध्यान दिया जाएगा। पिछले सालों में हाथियों और मानव के बीच बढ़े संघर्ष और हाथियों के मौत के पीछे भी इनके गलियारों से छेड़छाड़ एक बड़ी वजह मानी जा रही है।

उचित सब्सिडी, मुफ्त की रेवड़ियों में अंतर करना जरूरी', कैग ने राज्यों को दी ये सलाह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देश के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र

मुर्मु ने सोमवार को कहा कि उचित सब्सिडी और मुफ्त की रेवड़ियों के बीच अंतर करना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने राज्यों को अपने राजस्व स्त्रोतों से अपने पूंजीगत व्यय को पूरा करने की सलाह दी। वार्षिक महालेखाकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैग ने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्यों को सब्सिडी के उचित लेखांकन को बनाए रखने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजकोषीय घाटे को कम करने, राजस्व घाटे को खत्म करने और बकाया ऋण को स्वीकार्य स्तर पर रखने के लिए विवेकपूर्ण उपाय करने चाहिए। उन्होंने कहा राजकोषीय प्रबंधन में सुधार के लिए, केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारें दोनों राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम लागू कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम वंचितों की मदद के लिए सब्सिडी के महत्व को समझते हैं। ऐसी सब्सिडी के लिए पारदर्शी खाता होना जरूरी है। उचित सब्सिडी, मुफ्त की रेवड़ियों में अंतर करना जरूरी-कैग इसके साथ ही वार्षिक महालेखाकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैग ने कहा कि हमें उचित सब्सिडी और मुफ्त की रेवडिय़ों के बीच अंतर करने की जरूरत है। चुनावों से पहले राजनीतिक दल जिस तरह मुफ्त उपहारों का वादा करते हैं, उसे लेकर चल रहे विवाद के बीच यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है।

पीयूष गोयल के फ्रांस और इटली दौरे से ईयू के साथ एफटीए में आएगी तेजी, व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने पर होगी चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के फ्रांस व इटली दौरे से यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त

व्यापार समझौता (एफटीए) की वार्ता में और तेजी आएगी। ब्रिटेन के ईयू से बाहर होने के बाद फ्रांस व इटली ईयू के सशक्त देशों में से हैं। पिछले महीने ही ईयू के साथ एफटीए की चौथी राउंड की वार्ता समाप्त हुई है। अगले राउंड की बैठक जून में निर्धारित है। भारत फ्रांस मैत्री के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर फ्रांस में भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन 11 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। दोनों देशों के विदेश व्यापार मंत्री भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक इस साल ईयू के साथ एफटीए को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है जिसमें फ्रांस व इटली मददगार साबित हो सकते हैं। भारतीय निर्यात के लिए ईयू एक बड़ा बाजार है और एफटीए होने से गारमेंट, लेदर, इंजीनियरिंग उत्पाद जैसे कई रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में तेजी आएगी। वित्त वर्ष 2021-22 में में भारत ने ईयू में 65 अरब डॉलर का निर्यात किया था जबकि इस अवधि में ईयू से भारत ने 51.4 अरब डॉलर का आयात किया था। जानकारों के मुताबिक गोयल के फ्रांस व इटली यात्रा के दौरान एफटीए के अलावा उभरते सेक्टर में फ्रांस के साथ सहयोग और व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। फ्रांसीसी व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बैठक वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारत-फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन में हरित भविष्य के निर्माण, उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा सहयोग और भारत-प्रशांत क्षेत्रों में सहयोग सहित कई विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गोयल का विभिन्न क्षेत्रों में फ्रांसीसी व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बैठक करने का भी कार्यक्रम है। गोयल कंपनियों के सीईओ के गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगे।भारत के शीर्ष सीईओ का प्रतिनिधिमंडल भी गोयल के साथ दौरे पर है। जानकारों के मुताबिक इस यात्रा से यूरोपीय क्षेत्र में भारत के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हवाई यात्रा के दौरान अशिष्ट यात्रियों से निपटने के लिए डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अशिष्ट यात्रियों से निपटने के लिए सभी एयरलाइंस को फिर से एडवाइजरी जारी की है। उसने इस तरह के मामलों से निपटने के लिए वर्तमान प्रविधानों को दोहराते हुए

सतर्क किया है। हाल के दिनों में विमान में यात्रियों की दुर्व्यवहार की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। ऐसी घटनाओं को देखते हुए डीजीसीए ने यह एडवाइजरी जारी की। डीजीसीए ने कहा है कि अशिष्ट यात्रियों से निपटने के लिए एयरलाइन द्वारा उठाए जाने वाले कदम के लिए नागरिक उड्डयन आवश्यकता (सीएआर) के तहत प्रविधान हैं। इसके अलावा पायलट, चालक दल के सदस्यों और इन फ्लाइट सेवा के निदेशक की जिम्मेदारियां भी सीएआर में वर्णित हैं।डीजीसीए ने कहा है कि विमान में धूमपान करने और शराब पीने के कारण अमर्यादित व्यवहार करने जैसी घटनाएं सामने आई हैं। इन मामलों में संबंधित पद पर बैठे लोग, पायलट और चालक दल के सदस्य उचित कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं। डीजीसीए ने सभी एयरलाइंस से अपने पायलटों, चालक दल के सदस्यों तथा संबंधित पदों पर बैठे लोगों को उचित तरीके से अशिष्ट यात्रियों से निपटने के बारे में जानकारी देने को कहा है। गौरतलब है कि एअर इंडिया ने दिल्ली-लंदन उड़ान के चालक दल के सदस्यों को शारीरिक चोट पहुंचाने के आरोप में एक अशिष्ट व्यक्ति को सोमवार सुबह विमान से उतार दिया। यात्री को उतारने के लिए विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आया।

कन्नड़ समर्थक संगठन ने बेंगलुरु में अमूल के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन शिवकुमार ने नंदिनी मिल्क का किया दौरा

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक में चुनाव से ठीक पहले दो दुग्ध उत्पादक ब्रांड को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अमूल बनाम नंदिनी ब्रांड को लेकर राजनीतिक विवाद के बीच एक कन्नड़ समर्थक संगठन के सदस्यों ने सोमवार को गुजरात स्थित डेरी सहकारिता संस्था अमूल के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस ने कर्नाटक रक्षण वेदिके संगठन के सदस्यों को एहतियातन हिरासत में लिया। मालूम हो कि जब से अमूल ने यह घोषणा की है कि वह कर्नाटक में दूध और अन्य डेरी उत्पाद को बेचने की तैयारी कर रहा है। इस घोषणा के बाद कंपनी को विपक्षी नेताओं और स्थानीय लोगों द्वारा विरोध देखने को मिला है। कर्नाटक रक्षण वेदिके के सदस्यों ने अमूल द्वारा दूध की सीधी बिक्री के विरोध में कंपनी के उत्पादों को सड़कों पर फेंककर प्रदर्शन किया। वेदिके ने दी चेतावनी वेदिके ने राज्य में अमूल उत्पादों की सीधी बिक्री के खिलाफ चेतावनी भी दी है। वेदिके कार्यकर्ताओं का कहना है कि कर्नाटक में अमूल ब्रांड के दूध और दही की बिक्री और कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) को अमूल में मिलाने की साजिश

है। संगठन ने इस बात की निंदा की है।वेदिके के अध्यक्ष टीए नारायण गौड़ा और उपाध्यक्ष डीपी अंजनप्पा ने कहा कि अमूल कन्नड़ लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहा है। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने चुनाव में अमूल मुद्दे पर राजनीति करने के लिए कांग्रेस और जेडीएस पर निशाना साधा। बोम्मई ने कहा कि नंदिनी हमारे राज्य का एक बहुत अच्छा ब्रांड है। कांग्रेस और जेडीएस चुनाव के समय राजनीति कर रहे हैं। कर्नाटक में अमूल को लेकर छिड़े विवादों के बीच राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सोमवार को कुछ नंदिनी मिल्क पार्लर का दौरा किया है। शिवकुमार ने न केवल इन पार्लर का दौरा किया बल्कि यहां से डेरी उत्पादों को खरीदा और अपने साथ आए लोगों में बांटा और खुद सेवन किया। इससे पहले डीके शिवकुमार ने यह बयान दिया था कि हमें किसी अमूल ब्रांड की जरूरत नहीं है, राज्य में पहले से ही स्थानीय ब्रांड नंदिनी मौजूद है और इसके उत्पाद काफी अच्छे और मजबूत है। इस विरोध की बीज पिछले सप्ताह ही पड़ी है। पांच अप्रैल को सहकारी कंपनी अमूल ने एक ट्वीट किया। उस ट्वीट में कंपनी ने लिखा कि वह बेंगलुरु में दूध और दही के साथ साथ कुछ दुग्ध उत्पाद भी उपलब्ध कराएगा। इसके बाद कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह कर्नाटक के दुग्ध ब्रांड नंदिनी को खत्म करना चाहती है। यह कर्नाटक दूध संघ के ब्रांड नंदिनी को खत्म करने की साजिश है।

अतीक, अली समेत 13 पर रंगदारी मांगने और जानलेवा हमले का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के बाद अब अतीक, उसके बेटे अली सहित 13 के खिलाफ एक और

एफआईआर दर्ज की गई है। धूमनगंज पुलिस ने यह मामला दर्ज किया है। शहर की जाफरी कॉलोनी निवासी साबिर की शिकायत पर पुलिस ने एक करोड़ की रंगदारी मांगने, जानलेवा हमला करने और जेल से साजिश रचने के आरोप में अतीक अहमद, उसके बेटे अली, असलम मंत्री, असाद कालिया, शकील, शाकिर, सबी अब्बास, फैजान, नामी, अफ्फान, महमूद, माऊद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है साबिर ने पुलिस को बताया कि 14 अप्रैल 2019 को वह अपने चकिया स्थित आवास पर था। उसी वक्त अतीकऊअहमद के कहने पर उसका बेटा अली अपने अन्य साथियों के साथ असलहा लेकर पहुंचा। उनके पास पिस्टल और राइफल थी। ये सभी घर के बाहर खड़े होकर उसको बुलाने लगे। साबिर के मुताबिक असलम मंत्री ने जेल में बंद अतीक अहमद को कॉल किया और साबिर से कहा कि लो अतीक भाई से बात कर लो।

श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति ने दिया आय व्यय का लेखा-जोखा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर बाजार में श्री हनुमान जन्मोत्सव में हुए आय-व्यय का लेखा-जोखा को

लेकर नव दुर्गा पूजा समिति एवं श्री राम रामलीला कमेटी की बैठक सोमवार को सगरा सुंदरपुर स्थित नर्वदेश्वर धाम मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री नव दुर्गा पूजा समिति एवं श्री राम रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सर्वेश कुमार जायसवाल ने की।मंच संचालन सीमित के आयोजक प्रदीप सिंह ने किया।बैठक में श्री हनुमान जयंती के कोषाध्यक्ष संजय मोदनवाल व आय-व्यय निरीक्षक राजू जायसवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।उन्होंने बताया की सीमित में 66 हजार रुपए का सहयोग प्राप्त हुआ था जो आयोजन में लगे साउंड,डीजे झाँकी,भंडारे व अन्य कामगारों के पारिश्रमिक का भुगतान किया गया।सीमित के सभी सदस्यों ने आय-व्यय की रिपोर्ट को स्वीकार किया इस मौके पर हनुमान जयंती के आयोजक राज किशोर शुक्ल,रवि जायसवाल, रामसूरत त्रिपाठी,वृन्दा शंकर जायसवाल,प्रधान प्रतिनिधि श्यामजी जायसवाल,प्रहलाद मोदनवाल,सुजीत सोनी,नंदलाल मोदनवाल,विवेक जायसवाल, सुरेंद्र जायसवाल,सुरेंद्र विश्वकर्मा, आदर्श गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के लिए बनाये गये नामांकन कक्षों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नामांकन कक्षों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त रखने के दिए निर्देश पुलिस आयुक्त श्री रमित शर्मा एवं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय

कुमार खत्री ने सोमवार को नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के लिए बनाये गये नामांकन कक्षों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व, सीआरओ, नगर मजिस्ट्रेट्ट कक्ष, एसीएम-2, चकबंदी कार्यालय, एडीएम प्रशासन, एसओसी, एडीएम आपूर्ति, एसडीएम सदर, तहसीलदार कक्ष, एएसडीएम कक्षों में साफ-सफाई, पोताई, प्रकाश, सीसीटीवी कैमरा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को कराये जाने के लिए कहा है। तहसील सदर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने फाइलों को व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया साथ ही निर्वाचन से सम्बंधित रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत बैरिकेटिंग भी कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने लक्ष्मी चैराहा, कचहरी चैराहा सहित अन्य क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकरी ने नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर एडीएम सिटी श्री मदन कुमार, नगर मजिस्ट्रेट्ट श्री सत्यप्रिय सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सिविल लाइंस पर शामियाना रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर लीकेज से लगी आग, जान बचाकर भागे ग्राहक-दुकानदार; इलाके में दहशत

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सिविल लाइंस में स्थित शामियाना रेस्टोरेंट में सोमवार दोपहर को गैस सिलेंडर में लीकेज होने से आग लग गई। आग लगता देख दुकानदार और ग्राहक आनन फानन बाहर निकले। रोड पर भी अफरातफरी मच गई। कर्मचारियों ने पानी डालकर लपटों को पहली मंजिल के दुकानों तक पहुंचने से रोका। जानकारी पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई। आग से रेस्टोरेंट में रखा सामान जल गया है। गनीमत रही कोई हताहत नहीं हुआ है। फिलहाल दमकलकर्मी आग को पूरी तरह से बुझाने में जुटे हुए हैं।

क्या अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन बीएसपी की टिकट पर लड़ेगी मेयर का चुनाव मायावती ने दिया जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी

की सुप्रीमो ने सोमवार को ऐलान किया कि अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को टिकट नहीं मिलेगा उन्होंने यह भी कहा कि अतीत के परिवार के किसी भी सदस्य को टिकट नहीं दिया जाएगा गौरतलब है की बीएसपी मे शामिल हुई शाइस्ता परवीन लेकर चर्चा थी कि वह बीएसपी की टिकट पर मेयर का चुनाव लड़ सकती है लेकिन उमेश पाल हत्या में साइजशकर्ता के रूप मे शाइस्ता परवीन नाम आने के बाद बीएसपी की ओर से असफल कर दिया गया है की उनको चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल के फिल्म्स डिवीजन के तत्वावधान में विश्व का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय बाल फ़िल्म महोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के फिल्म्स डिवीजन के तत्वावधान में विश्व का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय बाल फ़िल्म महोत्सव (आई.सी.एफ.एफ.-2023) महोत्सव का उद्घाटन प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रख्यात अभिनेता सुदेश बेरी एवं डायरेक्टर व स्क्रिप्ट लेखक सुश्री ज्योति कपूर दास की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को बढ़ाया। बाल शिक्षकों व अभिभावकों की उपस्थिति ने इस आयोजन की सार्थकता सिद्ध कर दी।

यूपी में दो चरणों में होंगे निकाय चुनाव, नतीजे 13 मई को, प्रयागराज, कौशांबी प्रतापगढ़ में 4 मई को होगी वोटिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। सूबे में दो चरणों में चुनाव होंगे। चार मई को पहले और

11 मई को दूसरे चरण की वोटिंग होगी, जबकि 13 मई को नतीजे आएंगे। मेयर और पार्षद के चुनाव ईवीएम और नगर पालिका व नगर पंचायत के चुनाव बैलट पेपर के जरिए कराए जाएंगे। इस बार 4.32 करोड़ वोटर्स मतदान करेंगे। इससे पहले साल 2017 में हुए चुनाव में 3.35 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला था। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने लखनऊ में तारीखों का ऐलान करते हुए कहा प्रदेश के 17 महापौर और 1420 पार्षद के चुनाव ईवीएम से होंगे। इसके अलावा चुनाव आयोग ने संवेदनशील जगहों पर अतिरिक्त पुलिस लगाने के निर्देश दिए हैं। नगर पालिका परिषद के 199 अध्यक्ष और 5327 सदस्यों का बैलट पेपर से वोट डाले जाएंगे। इसके अलावा 544 नगर पंचायत अध्यक्ष, 7178 सदस्यों का चुनाव भी मतपत्रों से होगा। पहले चरण में यानी 4 मई को प्रयागराज, कौशांबी , फतेहपुर, प्रतापगढ़, उन्नाव, हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, गोरखपुर देवरिया, महाराजगंज, कुशीनगर, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली व जौनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, मैनपुरी, झांसी, जालौन, ललितपुर में चुनाव होंगे। दूसरे चरण 11 मई को मेरठ, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बागपत, बुलंदशहर, बदायूं, शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत, हाथरस, कासगंज, एटा, अलीगढ़, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज औरैया, हमीरपुर, चित्रकूट, महोबा, बांदा, अयोध्या, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, अममेठी, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, सोनभद्र, भदोही व मीरजापुर में वोटिंग होगा।

29 दारोगा इधर से उधर किए गए

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिसऊलाइन से एक दर्जन से अधिक नए दरोगाओं को नई तैनाती मिल गई है। डीसीपी नगर दीपक भूकर ने 29 दरोगाओं की तैनाती की है। दरोगा पवन कुमार सिंह को चौकी प्रभारी संगम, विकास यादव को चौकी प्रभारी अक्षयवट, लाखन सिंह को नई चौकी झूंसी, गिरीश चंद्र राय को चौकी प्रभारी आदर्श नगर करेली, अरविंद को नाका चौकी और अमित को सब्जीमंडी चौकी प्रभारी बनाया है। इसके अलावा दूसरे जोन से नगर में ट्रांसफर दरोगा संजय यादव को राजापुर, विवेक सिंह को चौकी प्रभारी राजरूपपुर, बंदना पांडेय को बादशाही मंडी, चंदन सरोज को बेली, जयराम थाना कर्नलगंज, हीरालाल को थाना अतरसुइया, रामपाल को शाहगंज, फरीदउद्दीन कार्यालय डीसीपी नगर, सुरेंद्र प्रताप को थाना धूमनगंज, राम निवास को कोतवाली और नाहर सिंह की थाना दारागंज में तैनाती हुई है। इसके अलावा उदयचंद्र त्रिपाठी को मुट्ठीगंज, बच्चा बाबू को दारागंज, अनिल पांडेय को जार्जटाउन, कमलेश कुमार को धूमनगंज, कमलेश यादव को कैंट, देवनारायण को शिवकुटी, इनामुल को करेली, बिजेंद्र मिश्र को सिविल लाइंस थाने में नियुक्त किया है। थार्नहील चौकी इंचार्ज रहे मनीष सिंह को थाना कीडगंज और बेली चौकी प्रभारी मानवेंद्र प्रताप सिंह को थाना कैंट में तैनात किया है।

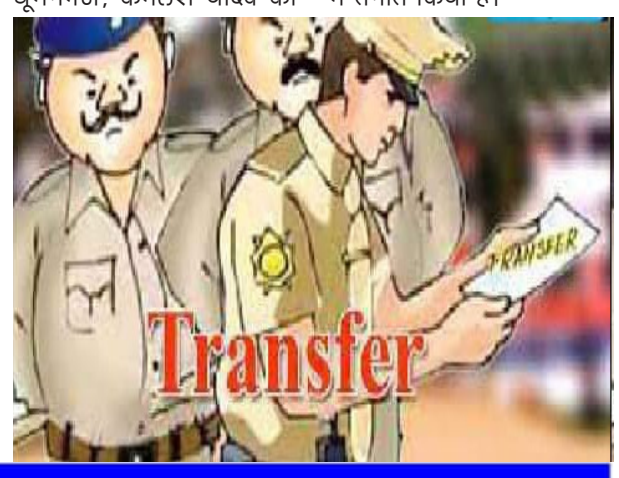

डीएम ने निकाय चुनाव को लेकर कचहरी का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जनपद कचहरी में जिलाधिकारी संजय खत्री ने औपचारिक निरीक्षण किया। सभी अधिकारियों को आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर कड़े निर्देश दिए, सभी मजिस्ट्रेट कार्यालय में जाकर जायजा लिया। जनपद कचहरी में लाइट, बिजली, सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया। जनपद कचहरी में आगामी चुनाव को लेकर सकुशल चुनाव संपन्न कराने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण को हण्डौर पहुँची मुख्य विकास अधिकारी, पौराणिक गाँव को पर्यटन स्थल बनाने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। विकास खण्ड लक्ष्मणपुर के हण्डौर गाँव में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया औचक निरीक्षण को जा पहुँची जहाँ उन्होंने समस्त कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

किया। जैसा कि सभी जानते हैं कि हण्डौर गाँव अपनी पौराणिकता के लिए जाना जाता है।इस गाँव के नाम को हिडिंबासुर के अपभ्रंश के रूप में जाना जाता है।वह हिडिंबासुर जिसका विवाह भीम के साथ हुआ था।आज भी हिडिंबासुर का टीला इस गाँव में मौजूद है। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने दल बल के साथ इस गाँव में बने कूड़ा कचरा प्रबंधन केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने नाली,आवास सहित शासन द्वारा करवाए गए सभी कार्यों का निरीक्षण किया और प्रधान नीतेश सिंह बीरू द्वारा पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ करवाए गए कार्यों की प्रशंसा किया।उन्होंने प्रतापगढ़-लखनऊ मार्ग के ठीक बगल पूरे दुनिया सिंह में खुदबाये गए तालाब का भी स्थलीय निरीक्षण किया और इसके पूर्णरूपेण सौंदर्यीकरण हेतु खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया।उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि इस तालाब को भव्यतम ढंग से निर्मित किया जाय।इसके सामने पार्क बनवाया जाय जिसमें झूले आदि की व्यवस्था की जाय। साथ ही शिवजी के मंदिर के पास के स्थल को हण्डौर गाँव की पौराणिकता को देखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाय। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश से जहाँ ग्राम प्रधान को भी नव संबल मिला वहीं ग्रामीणों में भी इस बात को लेकर प्रसन्नता है कि यदि इसकी पौराणिकता को असली जामा पहनाया जाएगा और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा तो इससे न केवल गाँव का नाम बढ़ेगा बल्कि इसके विकास में और अधिक बढ़ोतरी होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के कर्मचारी चिकित्सकीय सुविधाओं हेतु उम्मीद कार्ड शीघ्र बनवाऐ

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वाराणसी मण्डल पर सेवारत सेवानिवृत्त एवं मृतक कर्मचारियों के आश्रितों जिनकी चिकित्सकीय सुविधाओं हेतु उम्मीद कार्ड अब तक नहीं बन सका है उक्त कैम्प का लाभ उठायें तथा दिनांक 12.04.2023 से 29.04.2023 के समयावधि में सभी कार्यदिवस में वाराणसी स्थित मण्डल चिकित्सालय,लहरतारा में उपस्थित होकर अपना बनवा लेवें। सेवारत/सेवानिवृत्त एवं मृतक कर्मचारियों के आश्रितों द्वारा साथ में निम्न दस्तावेजों को लाया जाना अनिवार्य है।सेवारत कर्मचारियों द्वारा लाये जाने वाले दस्तावेज कार्यरत कर्मचारी अपना परिचय पत्र, मेडिकल कार्ड, पर्यवेक्षक द्वारा। सत्यापित पास घोषणा-पत्र अपनी एवं आश्रितों की फोटो, जन्मतिथि साक्ष्य हेतु आधार कार्ड/विद्यालय द्वारा जारी प्रमाणपत्र, जिस मोबाइल नम्बर पर रजिस्टर कराना हो वह मोबाइल अवश्य लेकर आयें पूर्वोत्तर रेलवे के मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि सेवानिवृत्त व मृतक कर्मचारियों के आश्रितों द्वारा लाये जाने वाले दस्तावेज सेवानिवृत्त व मृतक कर्मचारियों के आश्रित मेडिकल कार्ड, सातवें वेतन आयोग का संशोधित पीपीओ, बैंक द्वारा जारी नवीनतम पेंशन पास बुक (नवीनतम प्रविष्टि सहित), यदि सेवानिवृत्त कर्मचारी की मृत्यु हो चुकी हो तो उनका मृत्यु प्रमाण पत्र, अपनी एवं आश्रितों की फोटो, जन्म साक्ष्य हेतु आधार कार्ड/विद्यालय द्वारा जारी प्रमाणपत्र, जिस मोबाइल नम्बर पर रजिस्टर कराना हो, वह मोबाइल अवश्य लेकर आय जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार यह बताया कि कार्यरत कर्मचारी/सेवा निवृत्त कर्मचारी जिनका नहीं बना है, उक्त अवसर का लाभ उठायें और अपना बनवाएं अन्यथा वे मंडल चिकित्सालय की सेवाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे।

डा0सैमुअल हैनिमैन ने विश्व को दिया सबसे सस्ती चिकित्सा पद्धति

होम्योपैथिक के जनक डा. हैनिमैन की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

रसड़ा (बलिया)। होम्योपैथिक के जनक डा. सैमुअल हैनिमैन की 268 वीं जयंती स्थानीय शैल होमियो लेबोरेटरी इण्डट्रीयल स्टेट माधोपुर-रसड़ा के सभागार में सोमवार को गोष्ठी के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के एमडी डा. डीके सिंह एवं डायरेक्टर शैल सिंह ने डा. हैनिमैन के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। डा. डीके सिंह ने कहा कि जर्मनी में जन्में इस महान विभुति ने शायद यह नहीं सोचा होगा कि उनकी खोज के रूप में यह पद्धति विश्व की सबसे सस्ती, दुस्प्रभारहित व सर्वसुलभ चिकित्सा पद्धति साबित होगी। आज होम्योपैथिक पद्धति ने इस मौके पर डा. आयुष सिंह, मैन्युफैकचरिंग केमिस्ट समीगुन निशा, आरती श्रीवास्तव, हंसनाथ यादव, शाहजहां, आसनारायण यादव, आयशा खातुन, अंजनी वर्मा, नगीना यादव, सुनील वर्मा, रामप्रवेश, रामायण यादव, राहुल सिंह, मीरा, प्रीति आदि मौजूद रहे। सभी के प्रति आभार प्रबंधक राजा बाबू ने व्यक्त किया चित्र परिचय रसड़ा के माधोपुर स्थित शैल होमियो लेबोरेटरी के सभागार में डा. हैनिमैन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते डा. डीके सिंह व अन्य।

अभियोजन पक्ष ने शुरू की बहस दलील पेश करने पर मुख्तार अंसारी ने क्यों जताई आपत्ति

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। अवधेश राय हत्याकांड मामले में मंगलवार को फाइनल बहस शुरू हुई। अदालत में अभियोजन की तरफ से बहस की शुरुआत डीजीसी आलोक चंद्र शुक्ल ने की। कहा कि घटना वाले दिन मुख्तार अंसारी के साथ भीम सिंह, कमलेश सिंह, राकेश न्यायिक और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम वैन से उतरकर अवधेश राय पर गोलियां चलाई थीं। चर्चित अवधेश राय हत्याकांड में मंगलवार को फाइनल बहस शुरू हुई। अदालत में अभियोजन की तरफ से बहस की शुरुआत डीजीसी आलोक चंद्र शुक्ल ने की। उनका सहयोग एडीजीसी विनय सिंह ने किया। कहा कि घटना वाले दिन मुख्तार अंसारी के साथ भीम सिंह, कमलेश सिंह, राकेश न्यायिक और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम वैन से उतरकर अवधेश राय पर गोलियां चलाई थीं। इससे उनकी मौत हो गई थी। यह प्रत्यक्षदर्शी साक्षी व मुकदमे के वादी अजय राय और अन्य गवाहों के बयान से साबित होता है। अभियोजन की बहस पूरी हुई तो वादी के अधिवक्ता अनुज यादव ने दलील पेश करना चाही। इस पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बांदा जेल से पेश हुए पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी ने आपत्ति जताई। कहा कि अभियोजन के अलावा वादी के निजी अधिवक्ता बहस नहीं कर सकते। वह सिर्फ सहयोग कर सकते हैं।इस बाबत मुख्तार ने दिल्ली की सीबीआई कोर्ट का हवाला दिया, जिसमें वादी के निजी अधिवक्ता को बहस की अनुमति नहीं दी गई थी। वह सिर्फ सीबीआई के वकील का सहयोग कर रहे थे। इसके लिए कोर्ट ने कानूनी नजीर भी देने की बात कही।

मड़ई में सोये हुए बुजुर्ग की हत्या कैंसर पीड़ित युवक ने जान दी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ढूंढ़वा गांव निवासी हरिराम मंगलवार की रात अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में बनी मड़ई मे सोये हुए थे। बुधवार की सुबह काफी देरी तक उन्हें किसी ने नहीं देखा तो पोती जगाने पहुंचे। पोती ने देखा कि हरिराम खून से लथपथ थे और उनके सिर व गले पर धारदार हथियार से वार किया गया था। वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र में एक बुजुर्ग के सिर और गले में धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। वहीं, लहरतारा क्षेत्र में कैंसर पीड़ित एक युवक ने ट्रेन के सामने कूद का जान दे दी। सूचना पाकर चौबेपुर और मंडुवाडीह थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घर से दूर खेत में मड़ई में सोये हुए थे बुजुर्ग चौबेपुर थाना क्षेत्र के ढूंढ़वा गांव निवासी हरिराम (80) मंगलवार की रात अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में बनी मड़ई में सोये हुए थे। बुधवार की सुबह काफी देरी तक उन्हें किसी ने नहीं देखा तो पोती जगाने पहुंचे। पोती ने देखा कि हरिराम खून से लथपथ थे और उनके सिर व गले पर धारदार हथियार से वार किया गया था।आननफानन सूचना चौबेपुर थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड के साथ घटनास्थल पर मौजूद है। आशंका जताई गई है कि संपत्ति विवाद में बुजुर्ग की हत्या की गई है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की बात कही है कैंसर पीड़ित युवक ट्रेन के सामने कूदा मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा में ट्रेन के सामने कूद कर एक युवक ने जान दे दी। पुलिस के अनुसार, जौनपुर जिले के मछलीशहर थाना क्षेत्र के घघरिया गांव का रहने वाला दिलीप कुमार (32) कैंसर हॉस्पिटल में अपने भाई वीरेंद्र के साथ कीमोथेरेपी के लिए आया हुआ था।

समर सिंह को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया जाएगा या नहीं, आज होगी सुनवाइ

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे मामले में आरोपी समर सिंह पर आज अहम सुनवाई होनी है। आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी गायक समर सिंह उर्फ समरजीत को पुलिस कस्टडी रिमांड पर देने संबंधी आवेदन पर बुधवार की सुबह 11 बजे से सुनवाई होगी। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी गायक समर सिंह उर्फ समरजीत को पुलिस कस्टडी रिमांड पर देने संबंधी आवेदन पर बुधवार की सुबह 11 बजे से सुनवाई होगी। इससे पहले मंगलवार को आरोपी समर सिंह के अधिवक्ताओं को कस्टडी रिमांड संबंधी आवेदन पत्र की प्रति उपलब्ध कराई गई। साथ ही, अदालत ने आरोपी के अधिवक्ताओं को आपत्ति दाखिल करने के लिए एक दिन का समय दिया। गायक समर सिंह उर्फ समरजीत सिंह की मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेशी हुई। इस संबंध ने पुलिस कस्टडी रिमांड की अर्जी पर सुनवाई हुई थी। सारनाथ थाने की पुलिस ने समर सिंह की सात दिन की कस्टडी रिमांड अदालत से मांगी है। पुलिस का कहना है कि समर का मोबाइल बरामद किया जाना जरूरी है। इसके अलावा समर के लखनऊ और मुंबई स्थित ऑफिस जाकर उसके व आकांक्षा के बीच हुए वित्तीय लेनदेन व फिल्मों के करार संबंधी कागजात बरामद करना है। समर की पुलिस कस्टडी रिमांड का विरोध फौजदारी के अधिवक्ता अनुज यादव, आशीष सिंह और विकास यादव ने किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि समर की गिरफ्तारी मोबाइल की लोकेशन की मदद से ही हुई है। समर और आकांक्षा के बीच हुए वित्तीय लेनदेन और फिल्मों के करार संबंधी कागजात हमारी ओर से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में समर सिंह को पुलिस कस्टडी रिमांड पर दिए जाने का कोई औचित्य नहीं है। अदालत में मंगलवार को समर सिंह जिला जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश हुआ। कारागार प्रशासन के जरिये उसने अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था कि उसकी पहली पेशी पर कचहरी परिसर में जमकर हंगामा हुआ था। इससे वह डरा हुआ है और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अदालत में पेश होना चाहता है। समर के प्रार्थना पत्र के आधार पर अदालत ने उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश होने की अनुमति दी। आकांक्षा दुबे की मां मधु दुबे के अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी ने अदालत में पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। कहा कि मुकदमे की वादिनी का बयान दर्ज नहीं किया गया। हत्या की जगह आत्महत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस इस मामले में शुरू से ही लीपापोती का प्रयास कर रही है। उधर, मधु दुबे ने मंगलवार को पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर कहा कि उन्हें सारनाथ थाने की पुलिस की विवेचना पर विश्वास नहीं है। उनकी बेटी के मुकदमे की विवेचना किसी और से कराई जाए। इसके साथ ही जिस होटल में आकांक्षा का शव मिला था, वहां की बीते 21 से 27 मार्च तक की सीसी कैमरे की फुटेज अदालत में दाखिल की जाए।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

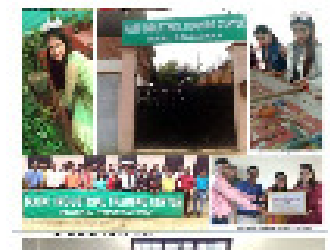

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

ईट भट्टा मालिको को 10 दिवस के अन्दर विनिमय शुल्क जमा कराने जाने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । चुनार क्षेत्र के ईट भट्ठा मालिको के साथ बैठक कर समस्याओं को सुनकर निस्तारण के भी दिये गये निर्देश मीरजापुर 10 अप्रैल 2023- जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद मीरजापुर के तहसील चुनार क्षेत्रान्तर्गत संचालित ईंट भट्ठों के पदाधिकारियों के समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में क्षेत्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, उ0प्र0 द्वारा बिना एऊध् (ण्दहमीह ूद र्ध्जूी) सर्टिफिकेट प्राप्त किये ईंट भट्ठों के संचालन पर उपजिलाधिकारी, चुनार द्वारा पथाई किये गये ईंटों पर मानक के अनुरूप कार्य न पाये जाने पर रोक लगाये जाने के उपरान्त ईंट भट्ठा स्वामियों के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा जिलाधिकारी, मीरजापुर के समक्ष अपनी समस्या का निराकरण कराये जाने हेतु अवगत कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा उक्त समस्या के दृष्टिगत ईंट भट्ठा संचालकों से 10 दिनों के अन्दर सक्षम स्तर से एऊध् (ण्दहमीह ूद र्ध्जूी) प्राप्त कर विनियमन शुल्क आदि जमा कराने के उपरान्त ही ईंट भट्ठों का संचालन किये जाने का निर्देश दिया गया है। ईंट भट्ठा संचालकों द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि में एऊध् (ण्दहमीह ूद र्ध्जूी) प्राप्त कर विनियमन शुल्क जमा नहीं किया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी. जिसके लिए ईंट भट्ठा संचालक स्वयं उत्तरदायी होंगे। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकान्त प्रजापति खान अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित लोग उपस्थित रहें।

चुंगी चैकी रेहणा विन्ध्याचल मतदान केन्द्र को परिवर्तित कर विन्ध्य विद्यापीठ इण्टर कालेज को बनाया गया मतदान केन्द्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । मीरजापुर 10 अप्रैल 2023- नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 हेतु नगर पालिका मीरजापुर के वार्ड संख्या 13 विन्ध्याचल के मतदान केन्द्र व मतदान स्थल का सड़क चैड़ीकरण में बिल्डिंग/भवन ध्वस्त हो जाने के कारण जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल के द्वारा परिवर्तित कर दिया गया हैं। उक्त आशय की जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने देते हुये बताया कि विन्ध्याचल वार्ड संख्या-13 में मतदान केन्द्र की संख्या-21 मतदान केन्द्र का नाम चुंगी चैकी रेहणा विन्ध्याचल का भवन जर्जर होने के कारण इस मतदान केन्द्र सहित मतदान स्थल संख्या 77 व 78 को परिवर्तित करते हुये विन्ध्य विद्यापीठ इण्टर कालेज विन्ध्याचल में उक्त मतदान केन्द्र/मतदान स्थल को स्थापित कर दिया गया हैं।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर डॉक्टर किये गये सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर ।मिर्जापुर आरोग्य भारती द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस व डॉ सैमुयल हैनीमैन जयंती पर सुनीता गर्ल्स कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम के पूर्व पाल्क संस्था व आरोग्य भारती द्वारा सयुंक्त रूप से पिछड़ी बस्तियों में निःशुल्क स्वास्थ जागरूकता शिविर व निःशुल्क दवा वितरण का कार्यक्रम नई बस्ती, अनगढ़, चंद्रदीपा में आयोजित किया गया था। जिसमे डॉक्टर्स ने अपना क़ीमती समय देकर शिविर को सफल बनाया था। कार्यक्रम को सफल बनाने वाले डॉक्टर संदीप श्रीवास्तव, डॉ विवेक सिंह, डॉ टीएन दिर्वेदी, डॉ सर्वेश मिश्र, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ कविता मिश्रा, डॉ अविनाश पाण्डेय, डॉ राहुल वर्मा, डॉ अरविन्द अवस्थी, डॉ मधुलता, डॉ गजानंद दुबे, को संस्था की अध्यक्ष अर्चना खंडेलवाल के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ गणेश प्रसाद अवस्थी जी व श्री देवेंद्र कुमार त्रिपाठी रहे संस्था की ओर से अधिवक्ता अखिलेश अग्रहरी, राजेश बघेल, व तुषार विश्वकर्मा, आरती यादव, आर्य मोदनवाल उपस्थित रहे ।

विधानसभा छानबे के उप चुनाव एवं नगर निकाय सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत नामांकन कक्षों का अपर जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर । मीरजापुर 10 अप्रैल 2023- विधानसभा 395-छानबे में उप चुनाव 2023 एवं आगामी नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को शान्तिपूर्ण एवं निपष्क्ष ढंग से सम्पन्न जिलाधिकारी न्यायालय/कार्यालय व कलेक्ट्रेट आने वालो मार्गो का निरीक्षण किया तत्पश्चात सम्बन्धित अधिकारियों व वेंडरो को पर्याप्त मात्रा में बैरीकेटिंग, सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाने सहित

कराने के दृष्टिगत आज अपर जिला मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकान्त प्रजापति ने नामांकन कक्षो को तैयार कराने एवं अन्य बैरीकेटिंग व व्यवस्थाओं के तैयारी के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट परिसर, उप जिलाधिकारी न्यायालय/कार्यालय, अपर उप अन्य अधिकारियों को समय के अन्दर पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चन्द्र भानु सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं सामान्य निर्वाचन के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

भाजपा कोर ग्रुप की चुनावी बैठक संपन्न,कार्यकर्ताओं में भरा जोश

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला। स्थानीय डाला नगर के चंद्र नगर चढ़ाई पर भाजपा कोर ग्रूप

की चुनावी बैठक संपन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निकाय चुनाव प्रभारी संतोष शुक्ला व बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दीपक दुबे द्वारा की गयी , मुख्य अतिथि श्री शुक्ला ने कहा कि हम प्रदेश में करवाए जा रहे विकास कार्यों के बल पर नगर निकाय चुनावों में विजय प्राप्त करेंगे चुनाव को लेकर लोगों में भारी जोश है जिससे नगर निकाय चुनाव में भी हमारी भारी बहुमत से जीत होगी चुनावों को लेकर शहर व वार्डों में जिन कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लगाई गयी हैं, वे उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं वार्ड में भी सिंबल से चुनाव लड़ने पर विचार-विमर्श कर समीक्षा की गयी और संभावनाओं को तलाश करते हुए अनेक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई ।इस अवसर पर महामंत्री संदीप सिंह पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह बबलू,मुकेश जैन ,बृजेश पांडे,भाजपा नेता शंभू सिंह गौड़ गिरीश तिवारी,मनीष तिवारी,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह विशाल गुप्ता,संतोष त्रिपाठी रिशु जायसवाल,मनीष पाठक, सुनीता जायसवाल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।

क्षेत्र पंचायत से एक वर्ष पूर्व बनी सीसी रोड पर कवर्ड नाली टूटी ,दिखने लगा सरिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी/ सोनभद्र। चर्चाओं का बाजार गर्म कि जब ब्लॉक प्रमुख के घर जाने वाले सड़क का आलम यह तो पूरे ब्लॉक के विकास कार्यों का हाल राहगीरों को उस खुले नाली में फसकर गिरने का भय सता रहा है । रहवासी अनूप कुमार, अंकित कुमार ,अशोक कुमार ,संजय आदि ने बताया कि इसी मार्ग से तीन था जो कुछ ही माह में टूट गयी । आरोप लगाया कि इसके निर्माण में मानक के अनुरूप सरिया भी नही लगाया गया जिससे यह ध्वस्त हो गयी ,बताया कि यह मार्ग दुद्धी

क्या होगे इसी मार्ग से सैकड़ो विद्यार्थियों का होता है प्रतिदिन आना जाना ,सता रहा दुर्घटना का भय मामला क्षेत्र पंचायत निधि से 2021-22 ग्राम पंचायत महुली से मेन रोड से कामता के घर तक सीसी रोड निर्माण का विकास खण्ड दुद्धी के महुली ग्राम में मुख्य मार्ग एनएच 39 से कामता के घर तक बना सीसी रोड के बीच कवर्ड नाली की ढलाई टूट गयी है और उस में डाला गया सरिया दिखने लगा है जिससे तीन स्कूल में पढ़ने सैकड़ो विद्यार्थियों का भी आना जाना होता है जो आये दिन इस खुले गढ्ढे में गिर कर चोटिल भी हो रहे है वहीं हम रहवासियों को भी गढ्ढे में फसकर गिरकर मुँह हाथ टूटने का डर सता रहा है ।ग्रामीणों ने कहा कि एक वर्ष पूर्व इस सड़क का निर्माण लाखो रुपये लागत सेक्षेत्र पंचायत निधि से कराया गया था और इसके बीचों बीच नाली का निर्माण कर उसे आरसीसी ढलवा दिया गया ब्लॉक के प्रमुख के घर तक जाती है यह उनके निधि से बनी है उसके बाद भी इसकी सुधि नही ली जा रही ,सवाल उठाया कि जब ब्लॉक प्रमुख के घर जाने वाले सीसी रोड गुणवत्ता का पोल खोल दिया तो ब्लॉक क्षेत्र में क्षेत्र पंचायत निधि से कराए गए कार्य का हाल क्या होगा ,रहवासियों ने डीएम का ध्यान आकृष्ट कर इस सड़क के निर्माण की गुणवत्ता के साथ ही साथ क्षेत्र पंचायत से होने वाले सभी कार्यों की जांच की मांग उठाई है।

सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया पांचवा वार्षिकोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला।स्थानीय डाला नगर के डाला चढ़ाई पर स्थित सेंट जेवियर्स

पब्लिक स्कूल का पांचवा वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया वहीं इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोड़ ने मां सरस्वती के चित्र पर समकक्ष दीप प्रज्वलन करते हुए पुष्प अर्पित किए इसके साथ ही रामजनम योगी के द्वारा शंख नाद के धुन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और कालेज के छात्र छात्राओं के द्वारा अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया वही कालेज के बच्चों के कार्यक्रम देख मुख्य अतिथि श्री गोड़ ने कहा की डाला नगर में सीबीएसई इंटर मिडियड कालेज का होना नगर के लिए गौरव बढ़ाता है, समर्पण और निष्ठा तथा अनुशासन मुझे इस विद्यालय में देखने को मिला। राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। स्कूल के डायरेक्टर जितेंद्र सिंह यादव जीतू ने आए हुए सभी अतिथियों को शाल व बाला जी का प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान विपिन तिवारी, डा आर के सिंह, चेयरमैन धर्मेन्द्र कुमार,प्रधानाचार्य रविन्द्र मूडियाल, मुकेश जैन,शंकर सिंह, सतीश यादव, मोहम्मद आसिफ, गौतम थापा, अशोक, शालू सिंह, ज्योति गुप्ता, संस्कृति पाण्डेय, जोगेन्द्र सिंह ऊर्फ गुड्डू पटेल समेत हजारों अभिभावक मौजूद रहे। संचालन विद्यालय की अध्यापिका मीनू व छात्रा शैलजा शुक्ला ने किया।

पीएचसी का एक स्वास्थ्य कर्मी कोविड संक्रमित मिला

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले में शनिवार को चील्ह स्थित पीएचसी का एक स्वास्थ्य कर्मी कोविड संक्रमित मिला। इसके साथ ही जिले में कोविड संक्रमित एक्टिव केस की संख्या दो हो गई है।

मिर्जापुर नगर क्षेत्र में अमृत योजना के तहत खोदी गई सड़कें अब तक नहीं बन सकी हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर नगर क्षेत्र में अमृत योजना के तहत खोदी गई सड़कें अब तक नहीं बन सकी हैं। कई सड़कों का निर्माण तो किया गया, लेकिन अधिकांश सड़कें अभी भी क्षतिग्रस्त पड़ी हुई हैं। गर्मी बढ़ते के साथ ही सड़कों पर फैली मिट्टी धूल बनकर उड़ने लगी है। इससे आवागमन करने वालों के साथ ही आसपास रहने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे सांस के रोगियों की समस्या भी बढ़ती जा रही है। जिले में अमृत योजना के तहत 210 करोड़ रुपये की लागत से सीवर व जलापूर्ति की पाइप लाइन डाली जा रही है। इसके अलावा 193 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। दोनों योजनाओं में पाइप लाइन बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब जो सड़कें पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई हैं, उनको फिर से बनाने का कार्य शेष है। इसके लिए बजट में 21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

कार्यवाहक प्रधानाचार्य को प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर विसुंदरपुर स्थित आदर्श इंटर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य को प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है।प्रबंधक संध्या द्विवेदी ने बताया कि प्रधानाचार्य के खिलाफ जांच चल रही है और उनको दो बार आरोप पत्र भी दिया जा चुका है। उनको तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

35 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में मिला

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर।मिर्जापुर शहर कोतवाली क्षेत्र के घोड़े शहीद स्थित शराब की दुकान के पास शनिवार को दोपहर में एक 35 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अचेत हाल में पड़े युवक को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी (सोनभद्र)।अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर सागर बीएचयू वाराणसी होंगे।उक्त आशय की जानकारी देते हुए आयोजक मंडल के अवधेश कन्नौजिया ने बताया कि 14 अप्रैल 2023 दिन शुक्रवार को होने वाली डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है।

डिवाइडर से टकराई स्कूटी, चार घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
विंध्याचल। थाना क्षेत्र के मिर्जापुर-प्रयागराज हाईवे मार्ग पर रविवार की शाम को मिर्जापुर की तरफ से आ रही स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल में भर्ती कराया गया। एक की हालत गंभीर होने पर उसे मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। विंध्याचल थाना क्षेत्र के चिकान टोला मुहल्ला निवासी आकाश पाल अपनी बहन व भांजे के साथ स्कूटी पर सवार होकर मिर्जापुर की तरफ से अपने घर के लिए निकले थे। रास्ते में अमरावती चौराहे के समीप स्थित पेट्रोल टंकी के पास स्कूटी अनियंत्रण होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में स्कूटी सवार चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने प्राइवेट साधन से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान बिल्लो कुमारी (15) की हालत गंभीर होने पर मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घायल आकाश पाल (25) , ज्योति कुमारी (12) व चीनू (3) को सीएचसी में इलाज कर छोड़ दिया गया।

नहाते समय गंगा में डूबा युवक, गोताखोरों की मदद से तलाश में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर के बरैनी गांव के पास गंगा में नहाते समय सोमवार सुबह एक युवक गहरे जल में जाने से डूब गया। मौके पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। मिर्जापुर के बरैनी गांव के पास गंगा में नहाते समय सोमवार सुबह एक युवक गहरे जल में जाने से डूब गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। मौके पर पहुंचे युवक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कछवां क्षेत्र के बरैनी गांव निवासी प्रदीप यादव (25) पुत्र बच्चन यादव सुबह गंगा स्नान करने घर से निकला था। गंगा नदी में नहाते समय गहरे पानी में जाने से वह डूबने लगा। मौके पर जुटे खेत में काम कर रहे लोगों ने युवक को बचाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। स्थानीय लोगों ने परिजनों व पुलिस को सूचित किया। पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से डूबे युवक की तलाश कर रही है। घटना के तीन घंटे बाद भी सफलता नहीं मिली है।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
जिगना। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर विंध्याचल थाना क्षेत्र के खम्हरिया दमुआन गांव के पास शनिवार को देर शाम कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप ये घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें उपचार के लिए पीएचसी ले जाया गया।

बहुप्रतीक्षित कनहर सिंचाई परियोजना डूब गांव के लोगों को पुनर्वास पैकेज वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुद्धी (सोनभद्र)। बहुप्रतीक्षित कनहर सिंचाई परियोजना डूब गांव के लोगों को पुनर्वास पैकेज वितरण में हुए खेल की शिकायतें थमती हुई नजर नही आ रही है।पुनर्वास पैकेज वितरण में लेखपाल पर लगातार धन उगाही के आरोप लगाए जा रहे हैं और कनहर विस्थापित पुनर्वास पैकेज वितरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं।ग्रामीणों द्वारा करीब 6- 7 महीने से लगातार लेखपाल की शिकायत के बाद भी लेखपाल पर न तो कोई कार्यवाही की जा रही है और न ही उनके कार्य क्षेत्र में बदलाव किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है।उधर दुद्धी तहसील के भिसुर गांव के लेखपाल के खिलाफ ग्रामीणों की लगातार शिकायत चल ही रही थी कि कोंगा गांव निवासी ने एक और फर्जीवाड़े की पोल खोलते हुए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर लेखपाल की संदिग्ध भूमिका की जांच करने की मांग कर डाली।विनोद कुमार नामक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारियों को भेजें पत्र में बताया है कि एक व्यक्ति ने अपना नाम बदलकर लेखपाल की मिलीभगत से पुनर्वास पैकेज धनराशि प्राप्त कर ली है। इस तरह पुनर्वास पैकेज प्राप्त करने के लिए कथित व्यक्ति ने लेखपाल से सरकारी धन का बंदरबांट किया है।इसी तरह कई ऐसे बाहरी व्यक्तियों ने लेखपाल से मिलीभगत करके पुनर्वास पैकेज का लाभ लिया है।पुनर्वास पैकेज में हुए खेल की ऑडियो वायरल होने के बाद एक लेखपाल पर तो कार्यवाही की गई लेकिन भिसुर गांव के लेखपाल पर कार्यवाही न कर बल्कि उन्हें एक और डूब क्षेत्र के गांव का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। पत्र में कहा गया है कि उक्त मामले की यदि निष्पक्ष जांच की जाय तो लेखपाल भूमिका सामने आ सकती हैं।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए अपने स्क्वाड की घोषणा कर दी है। टॉम लैथम न्यूजीलैंड के कप्तान होंगे। टॉम लैथम ने 2021 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी की है। याद दिला दें कि टिम साउथी, केन विलियमसन, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कॉनवे, मिचेल सैंटनर, फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल और लोकी फर्ग्यूसन को न्यूजीलैंड की टीम में जगह नहीं मिली है क्योंकि इन सभी को 31 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल में खेलने की मंजूरी मिल गई है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने लैथम की टी20 प्रारूप में वापसी के बारे में बातचीत करते हुए कहा, 'हमने इस साल भारत के खिलाफ सीरीज में देखा कि टॉम लैथम के पास शॉट्स की क्या रेंज है। उनमें अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की क्षमता है। उन्होंने 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ गैरअनुभवी टीम का नेतृत्व किया और हम इससे काफी प्रभावित हुए थे।' न्यूजीलैंड ने दो अनकैप्ड खिलाड़ियों - चाड बोव्स और हेनरी शिपले को शामिल किया है जबकि जिमी नीशम की वापसी हुई है। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ 13 सदयीय टीम चुनी है जबकि पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए 16 सदस्यों का चयन किया है। बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बाद कोच स्टीड पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में ब्रेक लेंगे। फिर 26 अप्रैल से रावलपिंडी में पांच वनडे मैचों की सीरीज में वो लौट आएंगे।श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वाड इस प्रकार है- टॉम लैथम (कप्तान), चाड बोव्स, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, एडम मिलने, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी और विल यंग।पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वाड इस प्रकार है- टॉम लैथम (कप्तान), चाड बोव्स, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, एडम मिलने, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी, विल यंग, डान क्लीवर, कोल मैकोन्की और ब्लेयर टिकनर।

शिखर धवन ने केवल 14-15 की उम्र में करा लिया था एचआईवी टेस्ट 'गबर' ने अहम वजह का किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज शिखर धवन ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया। धवन ने बताया कि जब वो महज 14 या 15 साल के थे, तब अपना एचआईवी टेस्ट कराया था। धवन ने बताया कि एचआईवी टेस्ट कराने के पीछे की असली वजह क्या था।गब्बर' के नाम से मशहूर शिखर धवन ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपना पहला टैटू पीठ पर बनवाया था। मगर उन्हें डर लगा, जिसके चलते एचआईवी टेस्ट कराना पड़ा। धवन ने आज तक को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जब मैं 14 या 15 साल का था, तब मनाली गया था और घर वालों को बिना बताए अपनी पीठ पर टैटू बनवाया था।धवन ने टैटू कौन सा बनवाया उन्होंने आगे कहा, 'मैंने करीब 3-4 महीने अपने घर वालों को टैटू के बारे में कुछ नहीं बताया। मेरे पिता को इस बारे में पता चला। मेरी खूब पिटाई हुई। मैं टैटू बनवाने के बाद डर भी गया क्योंकि पता नहीं था कि कितने लोगों के लिए उस सूई का इस्तेमाल किया गया होगा। मैंने जाकर अपना एचआईवी टेस्ट कराया और भगवान की कृपा रही कि यह नेगेटिव निकला।धवन ने साथ ही बताया कि उन्होंने अपना पहला टैटू कौन सा बनवाया था। उन्होंने कहा, 'मैंने पीठ पर स्कॉर्पियो का टैटू बनवाया था। उस समय मेरी सोच यही थी कि कुछ अलग करना है। फिर मैंने इस पर डिजाइन बनवाई। आगे चलकर मैंने अपने हाथ में भगवान शिव का टैटू बनवाया। अर्जुन का भी टैटू बना हुआ है।'शिखर धवन ने इस दौरान भारतीय टीम में अपनी वापसी के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीदों को नकारा नहीं है। धवन कड़ी मेहनत पर विश्वास रखते हैं और उनका मानना है कि जब भी मौका मिले, तो वो प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहे।भारतीय ओपनर ने कहा, 'अगर भारतीय टीम से खेलने का दोबारा मौका नहीं मिलता है तो मुझे कोई मलाल नहीं रहे क्योंकि मैंने कड़ी मेहनत जारी रखी है। जो कुछ भी मेरे हाथ में है, मैं बस वो ही करना चाहता हूं।'

कोहली का होगा हल्ला, जोफ्रा आर्चर की रफ्तार मचाएगी तबाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आपीएल 2023) के 16वें सीजन के पांचवें मैच में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का आमना-सामना होगा। चिन्नास्वामी के मैदान पर होने वाले इस मुकाबले में जमकर चौके-छक्कों की बरसात देखने को मिल सकती है। दोनों टीमों के पास स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, जो चंद ओवरों में मैच का रुख पलटने का माद्दा रखते हैं। आइए आपको बताते हैं उन पांच खिलाड़ियों के नाम, जो इस महामुकाबले में धमाल मचा सकते हैं। कोहली अपने विराट अवतार में लौट चुके हैं। विराट के बल्ले से पिछले एक साल में जमकर रन बरसे हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों को कोहली से खासा सावधान रहना होगा। आरसीबी के पूर्व कप्तान को चिन्नास्वामी का मैदान वैसे भी बेहद रास आता है। विराट का बल्ला अगर पहले मैच में चला तो आरसीबी के लिए सीजन का आगाज धमाकेदार हो सकता है। सूर्यकुमार यादव को आईपीएल बेहद रास आता है। पिछले कुछ सीजन में सूर्या का बल्ला जमकर बोला है और चिन्नास्वामी के छोटे मैदान पर दाएं हाथ का यह बल्लेबाज खूब कोहराम मचा सकता है।

आईपीएल 2023 में एकदम नए अवतार में नजर आएंगे स्टीव स्मिथ वीडियो के जरिये किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ आईपीएल 2023 में एकदम नए अवतार में नजर आएंगे। स्मिथ ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक वीडियो शेयर करके जानकारी दी है कि वो आईपीएल में कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे। आधुनिक युग के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक स्मिथ आईपीएल 2023 में कमेंट्री डेब्यू करेंगे। स्मिथ ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक 15 सेकंड की क्लिप पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने कहा कि वो भारत की एक जुनूनी टीम से जुड़ने जा रहे हैं। स्मिथ ने कहा, 'नमस्ते इंडिया। मेरे पास आप लोगों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। मैं आईपीएल 2023 से जुड़ रहा हूं। हां, ये सही है। मैं भारत में एक बेहतरीन और जुनूनी टीम से जुड़ रहा हूं।याद दिला दें कि स्टीव स्मिथ ने आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया था। फिर इस साल स्मिथ ने आईपीएल में हिस्सा लेने से इंकार कर दिया था। स्मिथ के इस फैसले के पीछे की वजह मानी जा रही थी कि वो एशेज सीरीज की तैयारियों में जुटेंगे।

जानें कब, कहां और कैसे देख सकते हैं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस का लाइव प्रसारण व स्ट्रीमिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2023) के 16वें सीजन के पांचवें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की भिड़ंत पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगी। यह मुकाबला 2 अप्रैल को बैंगलोर के चिन्नास्वामी मैदान पर शाम 7 बजकर 30 मिनट से खेला जाएगा। बैंगलोर की टीम को पहले मैच में ग्लेन मैक्सवेल और जोश हेजवलुड की सुविधा नहीं मिलेगा। वहीं, मुंबई के नियमित कप्तान रोहित शर्मा का भी खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। आरसीबी ने पिछले सीजन दूसरे क्वालीफायर तक का सफर तय किया था। वहीं, मुंबई प्वॉइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर रही थी। ऐसे में फाफ डुप्लेसी की कप्तानी में बैंगलोर इस सीजन अपने 15 साल के सूखे को खत्म करना चाहेगी, तो मुंबई एकबार फिर चैंपियन वाला खेल दिखाने को बेताब होगी। आईपीएल 2023 का पांचवां मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच 2 अप्रैल यानी रविवार को खेला जाएगा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 का पांचवां मैच कहां खेला जाएगा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 का पांचवां मुकाबला बैंगलोर के चिन्नास्वामी मैदान पर खेला जाएगा।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 का पांचवां मैच कितने बजे शुरू होगा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 का पांचवां मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा। टॉस आधे घंटे पहले होगा। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 के पांचवें मैच का लाइव प्रसारण किस चैनल पर होग रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 के पांचवें मैच का लाइव प्रसारण भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 के पांचवें मैच की लाइव स्ट्रीमिंग कैसे देख सकते हैं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2023 का पांचवें मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा ऐप पर देख सकते हैं। मैच से संबंधित महत्वपूर्ण कवरेज आप जागरण डॉट कॉम पर हासिल कर सकते हैं।

लखनऊ में काइल मेयर्स ने उड़ाया बल्ले से गर्दा, दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी अटैक से हुआ जमकर खिलवाड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आपीएल 2023) के 16वें सीजन के तीसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच जोरदार भिड़ंत हो रही है। कप्तान केएल राहुल भले ही सस्ते में पवेलियन लौट गए, लेकिन काइल मेयर्स ने लखनऊ के घरेलू मैदान पर बल्ले से जमकर गर्दा उड़ाया। अपने आईपीएल डेब्यू मैच में कैरेबियाई बल्लेबाज ने दिल्ली के गेंदबाजों की खूब धुनाई की। ग्हकाइल मेयर्स पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में नजर आए और उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। मेयर्स की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के आगे दिल्ली का मजबूत बॉलिंग अटैक पूरी तरह से बेअसर दिखाई दिया। मेयर्स ने कुलदीप यादव की गेंद पर जोरदार सिक्स लगाते हुए 28 गेदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। मेयर्स ने 38 गेंदों में 73 रनों की विस्फोटक पारी खेली। कैरेबियाई बल्लेबाज ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी के दौरान चौके से ज्यादा छक्के जमाए लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत हालांकि शांत रही और टीम ने पहले तीन ओवर में सिर्फ 12 रन स्कोर बोर्ड पर लगाए। हालांकि, इसके बाद काइल मेयर्स ने रनरेट की रफ्तार बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाली और खुलकर शॉट्स खेलने शुरू किए। मेयर्स इसी दौरान एक शॉट को सही तरीके से नहीं खेल सके और गेंद को हवा में खेल बैठे, लेकिन खलील अहमद ने कैरेबियाई बल्लेबाज का आसान सा कैच टपका दिया। खलील ने मेयर्स का कैच छोड़ा, तो वह महज 14 रन बनाकर खेल रहे थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल एकबार फिर फ्लॉप रहे। राहुल 12 गेंदों का सामना करने के बाद महज 8 रन बनाकर चलते बने।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

एमएस धोनी की कप्तानी के कायल हैं स्टीव स्मिथ बताया माही से सीखी मैदान पर शांत रहने की कला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की कप्तानी का वर्ल्ड क्रिकेट कायल है। मैदान पर चाहे परिस्थिति कितनी ही विपरीत क्यों ना हो माही हमेशा ही शांत नजर आते हैं। इसके साथ ही आखिरी मौके पर दांव चलकर मैच को पलटने का धोनी का हुनर कमाल का है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एमएस धोनी की जमकर तारीफों के पुल बांधे हैं।स्मिथ का कहना है कि उन्होंने माही से हर परिस्थिति में मैदान पर शांत रहने की कला सीखी। स्टीव स्मिथ आईपीएल में धोनी के साथ राइजिंग पुणे जायंट्स के साथ खेल चुके हैं। पहले सीजन धोनी ने पुणे टीम की कप्तानी की थी। हालांकि, भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद अगले सीजन फ्रेंचाइजी ने टीम की कमान माही से लेकर स्टीव स्मिथ के हाथों में सौंप दी थी।स्टीव स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत करते हुए धोनी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि मैंने धोनी से मैदान पर शांत रहने की कला सीखी। मैंने उनके पूरे करियर में देखा कि वह किस तरह से हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। उनके चेहरे पर बिल्कुल भी हाव-भाव नहीं बदलते हैं। शायद यह वो चीज है, जो मैंने उनसे लेने की कोशिश की।स्मिथ ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा, ठठजाहिर तौर पर, उन्होंने अपने लंबे करियर में काफी उपलब्धि हासिल की। वह इस खेल को खेलने वाले बेस्ट कप्तान के तौर पर जाने जाएंगे। आपको पता है कि जब मुझे कॉल आया उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि मैं टीम को लीड करूं, तो वह काफी डराने वाला था। हालांकि, उस सीजन धोनी लाजवाब रहे थे। उन्होंने हर तरह से मेरी मदद की जैसे वह कर सकते थे, वह एक कमाल के इंसान हैं। उनको अपनी कप्तानी में खेलते हुए देखना काफी शानदार और साथ ही डराने वाले अनुभव था।

सम्पादकीय

चुनावी चंदे पर नियंत्रण जरूरा

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार कहा था कि भारत में हर विधायक अपने करिअर की शुरुआत झूठे रिटर्न फाइलिंग से करता है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की निजी चंदे पर निर्भरता कम करने के लिए सरकारी फंडिंग की दिशा में ठोस और ईमानदार पहल समय की मांग है। भारत के 2009 के आम चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा दो अरब डॉलर खर्च किए गए। यह आंकड़ा 2014 में पांच अरब और 2019 तक 8.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत का पिछला आम चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव था। यह अमेरिकी आंकड़े से भी आगे निकल गया, वहां 2015 में हुए चुनाव में 6.5 अरब डॉलर खर्च हुए थे। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अनुसार, भारत में इस खर्च का 10-12 फीसद मतदाताओं को सीधे नकद भुगतान के रूप में है। हमारे यहां चुनाव खर्च को लेकर राज्य वित्त पोषण का मामला पहले से विचारणीय रहा है। इस मुद्दे पर अब नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है।एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, 2021-22 में देश में राष्ट्रीय दलों की आय का 60 फीसद अज्ञात स्रोतों से आया और यह राशि 2,172 करोड़ रुपये से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2004-05 और 2021-22 के बीच राजनीतिक दलों द्वारा 17,249 करोड़ रुपये अज्ञात स्रोतों से जुटाए गए। इसमें कहीं दो राय नहीं कि चुनिंदा सुधारों के बावजूद दशकों से देश में चुनावी खर्च में पारदर्शिता की कमी रही है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1951), धारा 29(सी) के मुताबिक, राजनीतिक दलों के कोषाध्यक्षों को 20 हजार रुपये से अधिक के किसी भी योगदान के दस्तावेज चुनाव आयोग से साझा करना होता है। 1968 में इंदिरा गांधी की पहल पर राजनीतिक दलों को कॉरपोरेट चंदे पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अलबत्ता 1985 में इसे फिर से वैध ठहरा दिया गया। 1979 तक राजनीतिक दलों को आय और संपत्ति करों से भी छूट हासिल थी। हालांकि वे वार्षिक रिटर्न दाखिल करते थे और दस हजार रुपये से अधिक के दान और उसके दाताओं की पहचान का खुलासा करते थे। कहना नहीं होगा कि इस मामले में बाद में संशोधनों ने निगमों और राजनीतिक दलों की गोपनीयता को सामान्य नागरिकों के सूचना के अधिकार पर प्राथमिकता दी है। जाहिरा तौर पर इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की हमारी क्षमता प्रभावित हुई है। राजनीतिक दलों को अब आयकर विभाग और चुनाव आयोग को वार्षिक आय-व्यय ब्योरा देना तो जरूरी है, लेकिन वे अपने धन के स्रोतों का विस्तृत विवरण देने के लिए बाध्य नहीं हैं। साफ है कि हमारे पास चुनावी खर्च और इसमें योगदान के खुलासे सीमित हैं। अमेरिका में चुनाव अभियान के खर्च के लिए दलों और उम्मीदवारों को वित्तीय मदद की परिभाषित सीमाएं हैं, जबकि चुनाव अभियान का खर्च ऐसी किसी सीमा से मुक्त है। साथ ही निगमों और श्रमिक संघों को उम्मीदवारों को सीधे वित्तीय मदद देने से मनाही है। इटली में राजनीतिक दलों को कॉरपोरेट योगदान के लिए वार्षिक रिपोर्ट में इसके खुलासे के साथ बोर्ड की मंजूरी लेनी होती है। नीदरलैंड में लोगों और कंपनियों को सीमित दान और पार्टी सदस्यता राशि चुकाने में कर कटौती का प्रोत्साहनकारी प्रावधान है। हमें चुनाव के दौरान उम्मीदवारों और दलों के लिए खर्च की स्पष्ट सीमा तय करने की जरूरत है। चुनाव अभियानों के संचालन की जटिलता का ध्यान रखते हुए इन सीमाओं को यथार्थवादी और प्रासंगिक होना चाहिए। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की रिपोर्ट के लिए जोर दे रहा है। डिजिटल लेन-देन की अनिवार्यता के साथ 2,000 रुपये से ऊपर के सभी दान का स्वागत किया जाना चाहिए। इस तरह के प्रावधानों के साथ छोटे दलों के लिए खेल का मैदान न्यायपूर्ण हो जाएगा और निर्दलीय उम्मीदवारों के पास सफलता का अधिक उचित अवसर होगा। इस मामले में चुनावी बॉन्ड रामबाण साबित नहीं हुआ है। 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना को वित्त अधिनियम (2017) के जरिये पेश किया गया था और इसके जरिये लोगों, संस्थाओं या कंपनियों द्वारा ब्याज मुक्त चुनावी बॉन्ड की खरीद का रास्ता खोला गया था। इसमें न तो क्रेता और न ही राजनीतिक दल को ही यह बताने की जरूरत है कि दान किसे दिया गया है। इस बीच, भारत में चुनावों की विदेशी फंडिंग भी जारी है। यह विडंबना ही है कि एनजीओ चलाने वाले भारतीयों को विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि हमारे राजनीतिक दलों को कानूनन विदेशी चंदा प्राप्त करने की इजाजत है।

ऋतुएं नहीं बदलेंगी तो धरती का पूरा ईको सिस्टम ही बिगड़ जाएगा

फसलें नहीं उगेंगी। पेड़ों की असमय मौत हो जाएगी। हवा में ऑक्सीजन का प्रतिशत गडबड़ा जाएगा यानी की सबकुछ तहस नहस हो जाना है। एक बड़ी प्रचलित कहावत है, उनका मिजाज मौसम की तरह बदलता है यानी कि मौसम का कोई स्थाई मिजाज नहीं होता है। वो

कभी भी बदल जाता है। इन दिनों भी कुछ ऐसा ही चल रहा है। ऋतुराज बसंत की विदाई के साथ ही गर्मी दस्तक दे देती है। हवा में गुलाबी जाड़ों सी शीतलता मौजूद है। मौसम को तवज्जो देने वाले खुश हैं कि ऐसा ही मौसम रहे तो अच्छा है। न ज्यादा गर्मी पड़े न कुड़कुड़ाती ठंड। मगर ऐसा मुमकिन नहीं है। ऋतुएं नहीं बदलेंगी तो धरती का पूरा ईको सिस्टम ही बिगड़ जाएगा। फसलें नहीं उगेंगी। पेड़ों की असमय मौत हो जाएगी। हवा में ऑक्सीजन का प्रतिशत गडबड़ा जाएगा यानी की सबकुछ तहस नहस हो जाना है। कोरोना काल के दौरान जब लंबे समय तक लॉकडाउन लगा रहा तो काफी हद तक प्रदूषण से मुक्ति मिल गई थी। न गाड़ियां चल रही थीं, न फैक्ट्रियां धुंआ छोड़ रही थीं और न ही उस तरह से पेड़ों की अंधाधुंध कटान ही हो रही थी। नतीजा यह था कि वायु प्रदूषण के साथ ही ध्वनि, जल और मृदा प्रदूषण पर काफी हद तक नियंत्रण हो गया था। लॉकडाउन के महीना भर गुजरने के साथ ही इसका असर भी मौसम और फिर जीवन शैली पर भी दिखने लगा। वातावरण एकदम साफ हो गया था। बरेली जैसे शहरों से नैनीताल की पहाड़ियां दिखने लगी थीं। मोर सड़कों पर नाचते दिख रहे थे। गौरैया धूल में लोटती नजर आने लगी थीं। यूं लग रहा था कि सब कुछ पचास साल पीछे चला गया है। इसका असर मौसम पर भी दिखने लगा था। 2020 के लॉकडाउन में मई में भी शिद्दत की गर्मी नहीं पड़ी। मौसम बड़ा ही कूल-कूल सा रहा। लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि प्रदूषण की कमी की वजह से वेदर बहुत प्लीजेंट हो गया है।

डॉलर का घटता वैश्विक दबदबा और रुपये का बढ़ता रुतबा

आईएमएफ की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक मुद्रा संग्रहण में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी पहले के मुकाबले घट गई है। आर्थिक जगत में इन दिनों इस बात पर गहन विमर्श चल रहा है कि आने वाले समय में अमेरिकी मुद्रा डॉलर का वैश्विक दबदबा कम हो जाएगा। चर्चाओं के इस दौर में कई दूसरे देशों की मुद्राओं का नाम वैश्विक मुद्रा के रूप में लिया जा रहा है। इसमें चीन की मुद्रा युआन का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। दूसरी तरफ यह भी सोच है कि आगामी अगस्त में ब्रिक्स देशों की बैठक में निश्चित रूप से डॉलर के विरुद्ध किसी नई मुद्रा का उदय होगा। इस चर्चा की शुरुआत तब हुई, जब यह देखा गया कि पिछले कुछ अर्से से अमेरिकी मुद्रा डॉलर का संग्रहण बड़ी तेजी से घट रहा है।इस संदर्भ में आईएमएफ की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1999 तक जहां वैश्विक मुद्रा संग्रहण में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी से अधिक थी, वह वर्ष 2022 में घटकर 59 फीसदी रह गई है। डॉलर के बाद सबसे अधिक संग्रहण यूरो का है।अगर डॉलर का वैश्विक दबदबा कम होता है या उसके विकल्प के रूप में किसी अन्य मुद्रा को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलती है, तो निश्चित रूप से यह पिछली एक शताब्दी में अमेरिका की वैश्विक साख में बहुत बड़ी गिरावट होगी। इसके लिए स्पष्ट रूप से अमेरिका की आर्थिक नीतियां ही दोषी हैं। सभी मुल्क अमेरिकी डॉलर की आक्रामकता से सदैव परेशान रहते हैं। मसलन, इन दिनों अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से डॉलर वैश्विक स्तर पर बहुत मजबूत हुआ, जिससे सभी देशों की मुद्राएं अत्यंत कमजोर हुईं। इससे सभी देशों के आयात महंगे हुए, जिसने अंततः घरेलू बाजारों में तेजी से महंगाई बढ़ाई। इसलिए कई मुल्क अमेरिका के बजाय अब दूसरे विकसित देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहे हैं तथा उन मुल्कों की विदेशी मुद्राओं के संग्रहण को प्राथमिकता दे रहे हैंवास्तव में यह चर्चा अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का ही हिस्सा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में वैश्विक स्तर पर अमेरिकी रुख को रूस और चीन, दोनों मिलकर मजबूती से जवाब देना चाहते हैं। इसलिए सबसे पहले चीन ने अमेरिकी डॉलर के अपने भारी-भरकम संग्रहण को अपनी मुद्रा युआन में परिवर्तित किया। फिर रूस द्वारा वैश्विक स्तर पर इस बात को प्रमुखता से उठाया जाने लगा कि आने वाले समय में चीन की मुद्रा युआन को डॉलर की जगह लेनी चाहिए। हालांकि वैश्विक स्तर पर कुल विदेशी मुद्रा भंडार में चीन की मुद्रा का हिस्सा मात्र पांच फीसदी के आसपास ही है।आगामी अगस्त में होने वाली ब्रिक्स देशों की बैठक में डॉलर के विरुद्ध अन्य मुद्रा का विकल्प अवश्य चर्चा में रहेगा। लेकिन ब्रिक्स बैठक में भारत कभी भी युआन को डॉलर के विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इसके पीछे विभिन्न आर्थिक तथा राजनीतिक कारण हैं। चीन व रूस की प्रगाढ़ दोस्ती के पीछे मुख्य निशाना भारत है। इसलिए ब्रिक्स के अंतर्गत चीन की मुद्रा को डॉलर के विकल्प के रूप में शायद ही देखा जाए।अब अगर भारत के विदेशी मुद्रा संग्रहण की बात की जाए, जो इन दिनों 530 अरब डॉलर के आसपास है, तो उसमें सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिकी डॉलर का ही है। भारत की आर्थिक नीतियों का झुकाव अमेरिका की तरफ ज्यादा रहता है। हालांकि अमेरिकी डॉलर की आक्रामकता से कई बार भारतीय शेयर बाजार अचानक गिर जाता है और घरेलू बाजार में महंगाई बढ़ जाती है। रही बात भारतीय रुपये के डॉलर का विकल्प बनने की, तो अभी यह आसान नहीं है।गौरतलब है कि किसी भी देश की मुद्रा को वैश्विक मुद्रा के रूप में पहचान हेतु उस देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था होना व आर्थिक नीतियों में प्रगतिशीलता जरूरी है। भारत में ये दोनों बातें हैं और भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, परंतु अभी उसे एक लंबा सफर तय करना है, क्योंकि भारत का निर्यात बहुत कम है। इसलिए ऐसा नहीं लगता है कि भारत किसी अन्य मुद्रा को डॉलर के विकल्प के रूप में समर्थन देगा।

चर्चा: स्कूल में हम क्या पढ़ाएं और अपनी पाठ्य पुस्तकों को किस से बचाएं

हिंसात्मक बिंदुओं से हमें आगे आने वाली पीढ़ी को बचाना होगा। वृतांत के वे संदर्भ जो समाज में अनेक तरह की गोलबंदी को जन्म देते हैं, अगर उनसे हम अपनी पाठ्य पुस्तकों को बचा सकें तो बेहतर होगा।स्कूल के पाठ्यक्रमों में दुनिया के अनेक देशों में समय-समय पर संशोधन एवं परिवर्तन होते रहते हैं। इन संशोधनों एवं परिवर्तनों पर कभी-कभी विवाद भी होते हैं। पिछले दिनों हंगरी में स्कूल पाठ्यक्रमों में प्रवासी समूहों के पाठ्यगत प्रतिनिधित्व को लेकर लंबा विवाद चला। ब्रिटेन के स्कूल के पाठ्यक्रमों में विशेषकर ब्रिटेन राष्ट्र एवं यूरोपीय संघ के इतिहास के साथ कैसे संगत बिठाई जाए एवं ब्रिटेन के स्कूल पाठ्यक्रमों में यूरोपीय संघ के इतिहास को कैसे प्रस्तुत किया जाए, इस पर एक वैचारिक एवं विमर्शगत तनाव तो देखने को मिलता ही रहा है। वहीं जर्मनी में तो स्कूल के पाठ्यक्रमों में अपने राष्ट्रीय इतिहास को यूरोपीय संघ के इतिहास में समाहित कर प्रस्तुत किया गया, तो समाज के एक भाग में असहमति तो दिखी ही। कहने का आशय है कि स्कूल पाठ्यक्रमों में हरेक राष्ट्र अपनी सामाजिक चुनौतियों एवं नए भविष्य को ध्यान में रखकर क्या जोड़ा जाए, क्या घटाया जाए, इस पर विचार कर अपने स्कूली पाठ्यक्रमों को शक्ल एवं आकार देता रहता है। शिक्षा हमें बेहतर मनुष्य एवं जागरूक नागरिक बनाने में मददगार होती है। वहीं यूरोप के अनेक जनतांत्रिक देश तो इसके साथ ही अपने यहां शांतिपूर्ण, समरस एवं राष्ट्रीय रूप से चेतस समाज बनाने के लिए शिक्षा को सामाजीकरण के माध्यम के रूप में अविष्कृत करते रहे हैं। इस अर्थ में शिक्षा समाज का आईना तो है ही, साथ ही यह नई समाज रचना की ज्ञानात्मक रूपरेखा भी होती है। भारत में एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) एवं उसके द्वारा बनाए गए पाठ्यक्रम विवाद में आते ही रहते हैं। भारत में कोरोना संकट के कारण छात्रों का जो समय क्षय हुआ, उस दौर में ऑनलाइन शिक्षा की अपनी सीमाओं के कारण स्कूल पाठ्यक्रम को कम करने की जरूरत पड़ी, ताकि छात्रों पर से कोर्स का बोझ कम किया जा सके। इसके लिए एनसीईआरटी ने अनेक प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रक्रियाओं से गुजरते हुए पांचवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए 30-40 प्रतिशत और प्राइमरी कक्षाओं के लिए 10-15 प्रतिशत कोर्स को कम करने का निश्चय किया। इसमें शिक्षा पर बनी 331वीं संसद की स्थायी समिति के सुझावों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की दिशा-दृष्टि के आलोक में पाठ्यक्रम में से कुछ पाठों एवं वृतांतों को हटाया गया। इस संदर्भ में एनसीईआरटी का मानना है कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। और ये निर्णय स्थितियों के अनुकूल लिए गए हैं। इसके पीछे कोई ऐसी बड़ी डिजाइन नहीं है, जिसकी आशंका व्यक्त की जा रही है। किंतु विवाद चलने ही हैं, तो चल रहे हैं। रोचक बात यह है कि यह विवाद स्कूली शिक्षा से जुड़े लोगों से ज्यादा राजनीतिक हलकों में चल रहा है। राजनेता एवं कुछ कार्यकर्ता इस बहस को गति दे रहे हैं। इन बहसों में एक प्रश्न यह भी उठ रहा है कि महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे के वृतांत में पहले से चले आ रहे उनके जाति नाम को वृतांत से हटा दिया गया है। प्रश्न यह उठता है कि एक संविधान प्रभावित शिक्षा व्यवस्था में क्या स्कूली पाठों के वृतांतों में जाति का जिक्र होना चाहिए जाति चाहे नायक की हो या खलनायक की, क्या उसे हमारे बच्चों के मन में पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से घुसने देना चाहिए। क्या इससे एक व्यक्ति द्वारा किए गए जघन्य काम की प्रतिच्छाया पूरे जाति समूह पर नहीं पड़ेगी शिक्षा विभाग के लिए बनी 331वीं संसदीय समिति में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अनेक सेवाभावी संस्थाओं ने एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में पहले से चले आ रहे पाठ्यक्रमों में वर्णित वृतांतों, शिक्षापरक उदाहरणों में जाति वर्णन होने की शिकायत भी प्रस्तुत की थी। अगर कहीं किसी ऋषि का वर्णन है, तो उसकी भी जाति, कहीं कोई सामान्य चरित्र आ रहा है, वहां भी जाति, क्या यह प्रवृति हमें एक समरस समाज बनाने में मदद कर पाएगी? यह ठीक है कि गांवों की गंवई कथाओं में चरित्रों की 'जाति' का आना-जाना सामान्य बात होती है। किंतु स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम जो एक सुसंगत एवं सुचिंतित ढंग से एक बेहतर समाज रचने के उद्देश्य से बनाए जाते हैं, उसमें उसी तरह के वृतांतों एवं चरित्रों के साथ उनकी 'जाति' के प्रत्यय का आना कितना ठीक है, हमें विचार करना होगा। अगर कोई कहता है कि 'जाति' तो हमारे समाज की सच्चाई है, अगर वह सच्चाई उसी रूप में हमारी पाठ्य पुस्तकों में आती है, तो इसमें गलत क्या है जैसा कि हम जानते है कि शिक्षा सिर्फ जो है, उसी को नहीं दिखाती, जो हमें प्राप्त करना है, उसका माध्यम भी बनती है। वह 'जो यथार्थ है', उससे ज्यादा 'जो आदर्श है', उसे पाने का माध्यम बनती है। शिक्षा वस्तुतः वर्तमान से ज्यादा भविष्य रचने का माध्यम एवं प्रणाली है। और अगर हमें जातिमुक्त जनतांत्रिक समाज रचना है, तो उसमें टकरावों, तनावों, हिंसात्मक बिंदुओं से हमें अपने आगे आने वाली पीढ़ी को बचाना होगा। वृतांत के वे संदर्भ जो समाज में अनेक तरह की गोलबंदी को जन्म देते हैं, अगर उनसे हम अपनी पाठ्य पुस्तकों को बचा सकें, तो बेहतर होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अपनी विस्तृत रिपोर्ट में भी भारत में स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रमों को छोटा, रचनात्मक एवं लचीला बनाने पर जोर देती है। वह हमें यह सुझाती है कि हम एक ऐसी शिक्षा की दुनिया रचें, जिसमें हमारे बच्चों का कोमल सुकुमार मन रचनात्मक एवं विकासमान हो सके। जाति, धर्म एवं अनेक तरह की कोटियों से टकरावों एवं उनसे उत्पन्न होने वाले तनावों, हिंसात्मक गोलबंदियों को हम अपनी आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौंपने से बचाएं, यह जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में डबल मर्डर: बेडरूम में घुसकर बुजुर्ग दंपती की गला रेतकर ले ली जान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। गोकलपुरी में अपने घर के बेडरू में मृत पाए गए बुजुर्ग शख्स सरकारी स्कूल से बतौर वाइस प्रिंसिपल रिटायर हुए थे, जो अपनी पत्नी के साथ रहते थे दिल्ली के गोकलपुरी इलाके से सोमवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक बुजुर्ग दंपती की गला रेतकर हत्या कर दी गई और लूटपाट की गई है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह लूटपाट के लिए की गई हत्या का मामला लग रहा है, हालांकि हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात वाली जगह को सील कर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आईं ये बातें पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 7.19 बजे पीसीआर पर डबल मर्डर की कॉल मिली। सूचना मिलने पर पुलिस गोकलपुरी के भागीरथी विहार स्थित घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने पाया कि घर के अंदर ग्राउंड फ्लोर पर बने बेडरूम में राधेश्याम वर्मा(72) और उनकी पत्नी वीना (69) का शव जमीन पर पड़ा हुआ है। शवों का गला रेता हुआ था और पूरे कमरे में खून फैला हुआ था। साथ ही कमरे का हाल देखकर लग रहा था कि घर को लूटा गया है। ग्राउंड फ्लोर और प्रथम तल के इस मकान में नीचे बुजुर्ग दंपती और ऊपर उनके बेटा-बहू और पोता रहते हैं। मृतक राधेश्याम वर्मा एक सरकार स्कूल के वाइस प्रिंसिपल के पद से रिटायर हुए थे। परिवार इस मकान में बीते 38 साल से रह रहा है। शुरुआती जांच में पुलिस को घर से 4.5 लाख रुपये नगद और कुछ गहने गायब मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि आरोपी घर के पीछे लगे लोहे के गेट से अंदर घुसे होंगे। घर का एक हिस्सा बेचने वाले थे राधेश्याम वर्मा जांच में ये भी बात सामने आई है कि मृतक राधेश्याम वर्मा ने हाल ही में अपने घर का पिछला हिस्सा बेचने के लिए पांच लाख रुपये एडवांस लिए थे। मृतक का बेटा रवि वर्मा मुस्तफाबाद में गेस्ट टीचर की नौकरी करता था। हालांकि अब उसकी गारमेंट और कॉस्मेटिक की दुकान जोहरीपुर में है। उसका कहना है कि उसने अपने माता-पिता को रविवार की रात 10.30 बजे आखिरी बार देखा था।

सामाजिक न्याय सप्ताह पर भाजपा ने किया समरसता सहभोज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर समाजिक समरसता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम सामाजिक न्याय सप्ताह के अन्तर्गत मनाया गया। इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों को दलित, अनुसूचित बहनों के साथ उनके घर जाकर सहभोज करना था। इसकी के चलते आज इस कार्यक्रम को नोएडा में भी बहुत हर्षोल्लास से मनाया गया। श्रीमती कोमल रानी और इंद्रजीत जाटव अध्यक्ष अनुसूचित जाति के निवास स्थान पर यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस भोज के मुख्य अतिथि के रूप में लोक सभा सांसद डॉ महेश शर्मा जी, ज़िला अध्यक्ष मनोज गुप्ता और जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी की गरिमामय उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम के जरिए भारतीय जनता पार्टी का समाज को और देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया हुआ संदेश जिसमें उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का नया मंत्र की बात कही उसको समाज तक पहुँचे का उद्देश रहा। कार्यक्रम में महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, शिवानी शरद, मधु मेहरा, माधुरी जैसवाल, आदि कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

अपना ही हेलीकाप्टर मार गिराने में ग्रुप कैप्टन को बर्खास्त करने की सिफारिश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मिसाइल हमले से एमआइ-17 वी5 हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में भारतीय वायुसेना द्वारा गठित जनरल कोर्ट मार्शल (जीसीएम) ने ग्रुप कैप्टन सुमन राय चौधरी को बर्खास्त करने की सिफारिश की है। यह हेलीकाप्टर 27 फरवरी, 2019 को सुबह लगभग 10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जब पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों पर भारतीय वायुसेना के हमले के अगले दिन भारत और पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों के बीच नौशेरा में हवाई झड़प हुई थी आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को इस बाबत जानकारी दी। 'कोर्ट आफ इनक्वायरी' के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान की वायुसेनाओं के बीच झड़प वाले दिन जब लड़ाकू हेलीकाप्टर श्रीनगर लौट रहा था तब वायुसेना की खुद की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ने उसे निशाना बनाया था। उस समय ग्रुप कैप्टन चौधरी श्रीनगर एयरफोर्स स्टेशन के चीफ आपरेशंस आफिसर (सीओओ) के तौर पर सेवारत थे इस दुर्घटना में हेलीकाप्टर पर सवार वायुसेना के छह कर्मियों और जमीन पर मौजूद एक नागरिक की मौत हो गई थी। सूत्रों ने बताया, वायुसेना घटना से जुड़े मामले पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद ही जीसीएम की सिफारिश पर कार्रवाई कर सकती है।

अमेरिका के लुइसविले में हुई गोलीबारी की सामने आई वीडियो फुटेज

(आधुनिक समाचार सेवा)

लुइसविले। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में लुइसविले शहर स्थित एक बैंक की इमारत में हुई गोलीबारी की वीडियो सामने आई है। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग ने एक घायल पुलिस अधिकारी का बॉडीकैम फुटेज जारी किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि बड़े पैमाने पर हो रही गोलीबारी के बीच हमलावर पुलिस पर लगातार गोलियों की बौछार कर रहा है। वीडियो में शूटर नहीं दिख पा रहा है। पुलिस के अनुसार, वीडियो दो घायल अधिकारियों के लैपल्स से लिए गए है। 10 अप्रैल को हुई इस गोलीबारी में पांच लोगों की मौत और आठ अन्य के घायल हुए थे। घटनास्थल पर पहुंचने के कुछ ही मिनटों के भीतर एक अधिकारी की सिर पर गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस और हमलावर के बीच चली इस मुठभेड़ की तस्वीरें और वीडियो लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग के उप प्रमुख पॉल हम्फ्रे ने 11 अप्रैल को पत्रकारों के सामने पेश किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस की वीरता की भी काफी प्रशंसा की। बता दें कि पुलिस को ओल्ड नेशनल बैंक में सुबह 8:38 बजे गोली चलने की सूचना मिली थी और दो अधिकारी तीन मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे। जैसे ही पुलिस बैंक की ओर बढ़ी, वैसे ही बंदूकधारी ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं।वीडियो में बैंक में काम करने वाले 25 वर्षीय शूटर को बिल्डिंग के अंदर टूटे शीशे से घिरा हुआ देखा जा सकता है। हमलावर ने जींस, नीले रंग की बटन-डाउन शर्ट और जूते पहना हुआ था। पुलिस के मुताबिक, उसने पहले ही कई लोगों को अंदर गोली मार दी थी और अधिकारियों पर हमला करने के लिए घात लगाकर बैठ हुआ था। हालांकि, घंटों चली इस मुठभेड़ में पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को मार गिराया। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग ने सोमवार को ट्विटर पर लोगों से कहा कि इलाके में व्याप्त स्थिति के मद्देनजर वे वहां जाने से बचें। पुलिस ने ट्वीट में कहा कि कई लोग हताहत हुए हैं।' घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया पुलिस ने बताया कि कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है और कम से कम छह लोगों को यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविले अस्पताल पहुंचाया गया है। इसमें एक अधिकारी भी शामिल है। पुलिस ने कहा कि इस समय कोई सक्रिय खतरा नहीं है।

वाशिंगटन डीसी में शवदाह गृह के बाहर फायरिंग, एक की मौत; तीन लोग हुए घायल

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में मंगलवार को गोलीबारी की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना उस वक्त हुई, जब लोग किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने वहां पहुंचे थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख रॉबर्ट कोंटी ने कहा कि उत्तर-पूर्वी वाशिंगटन में अंतिम संस्कार गृह के पास एक पुलिस अधिकारी तैनात था, जहां दोपहर करीब 12.30 बजे गोलीबारी शुरू हुई थी। पुलिस के मुताबिक, अंतिम संस्कार समाप्त होने के लगभग 20 मिनट बाद गोलीबारी हुई और इसमें एक की जान चली गई। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता के परिवार की अपील पर अंतिम संस्कार के पास अधिकारी को भी तैनात किया गया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख रॉबर्ट कोंटी ने कहा कि कम से कम चार लोगों को गोली मारी गई। डीसी फायर एंड ईएमएस के एक प्रवक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं, जिनमें दो पुरुष और एक महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामले की जांच में जुटी पुलिस रॉबर्ट कोंटी के मुताबिक, इस घटना को लेकर ऐसा प्रतीत होता है कि कई लोग जो इस अंतिम संस्कार में शामिल थे। उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया गया। क्यों इन लोगों को निशाना बनाया गया है, हम इस बात की जांच कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं की है। बता दें कि इससे पहले सोमवार को लुइसविले बैंक में पांच लोगों की गोलीबारी में मौत हो गई थी।

अहिल्या उद्धार ,जनक पुर आगमन आदि कथाओं का किया वर्णन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं , विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते हैं । विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम ,लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी का वध कर देते हैं साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्रापवश पाषाण शिला बनी अहिल्या का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। जनकपुरी पहुंचने पर मुनि विश्वामित्र सहित दोनों भाइयों राम लखन का जनक जी द्वारा स्वागत किया जाता है।आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 11 को धनुष यज्ञ, राम जानकी विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर देवमणि शुक्ल, रवि राघव, अंगद तोमर, संजय पांडे, अजय श्रीवास्तव, एन के सोलंकी, संजय शुक्ल, हरि शंकर सिंह, रमेश कुमार वर्मा, गोरेलाल, शिव चौधरी ,देवेंद्र गुप्ता, सुशील पाल , अमितेश सिंह, संगम प्रसाद मिश्र, राजेश गुप्ता, गुरुमेल सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, पंकज झा, सियाराम ,शिववृत तिवारी , विकास शर्मा हंस मणि शुक्ल, अवनीश तिवारी, राजेश राघव, रमेश चंद्र दास, दया नंद शास्त्री, देवाराम शीष, सुजीत वुमार झा सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही है भारतीय अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी हुई है। आईएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग की उप निदेशक ऐनी-मैरी गुल्डे-वुल्फ ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और सबसे तेजी से बढ़ती एशियाई अर्थव्यवस्था बनी हुई है और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आईएमएफ के एशिया और प्रशांत विभाग की उप निदेशक ऐनी-मैरी गुल्डे-वुल्फ ने कहा कि हमने हाल के आंकड़ों को शामिल करने के लिए अपने अनुमानों को संशोधित किया है। जो इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे। इस जानकारी के आधार पर अब हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर 5.9 प्रतिशत होगी, जो हमारे पिछले अनुमान 6.1 से थोड़ी कम है। गुल्डे-वुल्फ ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वास्तव में खपत बढ़ने में अपेक्षित मंदी के कारण वृद्धि अनुमानों में थोड़ी कमी की गई है। उन्होंने आगे कहा कि आईएमएफ वृद्धि के मुख्य चालक के रूप में निवेश को देखता है। यह

दो अंक में ऋण वृद्धि, मजबूत पीएमआई और एक महत्वाकांक्षी सरकारी व्यय कार्यक्रम से स्पष्ट है। आईएमएफ के मुताबिक, चीन की वृद्धि दर 2023 में 5.2 प्रतिशत और 2024 में 4.5 प्रतिशत रह सकती है। इसकी वृद्धि दर 2022 में तीन प्रतिशत थी। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरिनचास ने कहा कि आपूर्ति-श्रृंखला की रुकावटें और युद्ध के कारण ऊर्जा तथा खाद्य बाजारों में पैदा हुई बाधाएं भी कम हो रही है।

राजस्थान कांग्रेस में पायलट के तेवरों से फिर आया उबाल पार्टी नेतृत्व गहलोत के साथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राजस्थान में सचिन पायलट के नए तेवरों को थामने की सरदर्दी के बीच कांग्रेस अब पूरी तरह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ खड़ी होती दिख रही है। साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गहलोत को सियासी रूप से कमजोर करने का पार्टी हाईकमान कोई जोखिम नहीं उठा सकता। वहीं सचिन पायलट राजस्थान की अपनी ही कांग्रेस सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए जिस तरह मंगलवार को एक दिन का अनशन करने पर अड़े हैं उससे साफ है कि गहलोत से जंग में वे लगभग आर-पार की तैयारी कर चुके हैं। गहलोग के साथ खड़े होकर केंद्रीय नेतृत्व ने यह संदेश दे दिया है कि फैसला पायलट को करना होगा। हालांकि उसे थामे रखने की कोशिश भी जारी है। लेकिन बिना किसी ठोस फार्मूले के सचिन अब मानेंगे इसकी गुंजाइश कम ही है। राजस्थान कांग्रेस में पायलट के तेवरों से फिर आए उबाल को थामने के लिए पार्टी हाईकमान की ओर से संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और सूबे के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा मुख्यमंत्री गहलोत और पायलट से बातचीत कर रहे हैं।

रंधावा ने अनशन की पहल को गलत बताकर सचिन को नेतृत्व के नजरिए का साफ संदेश दे दिया है।पार्टी सूत्रों के अनुसार अंदरूनी तौर पर भी पायलट को समझाने और तेवर नरम करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन बीते दो सालों से उनसे किए गए वादों को पूरा नहीं किए जाने के अनुभवों और राजस्थान कांग्रेस पर गहलोत की मजबूत पकड़ को देखते हुए पायलट केवल समझाने और आश्वासनों से नहीं मानेंगे। यह भी साफ है कि पायलट के अनशन पर बैठते ही राजस्थान में कांग्रेस का अंदरूनी संकट और बढ़ेगा। राजस्थान में पार्टी का संकट बढ़ने की इस आशंका के बीच गहलोत पर पायलट के प्रहारों को थामते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह कहना गलत है कि गहलोत सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ काम नहीं कर रही है। पायलट ने भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसंधुरा राजे के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया था। पार्टी की प्रेस कांफ्रेंस में इस बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने कहा कि राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ संजीवनी घोटाले की जांच चल रही है और इसीलिए शेखावत ने गहलोत के खिलाफ मानहानि का मामला भी दायर किया है। उनके अनुसार आने वाले दिनों में इनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई भी होगी। खेड़ा ने यह भी कहा कि इस बात की जांच भी चल रही है कि कैसे भाजपा ने राजस्थान में हमारी चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश रची और हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की।कांग्रेस प्रवक्ता की यह टिप्पणी सीधे तौर पर पायलट की ओर भी इशारा कर रही है जिनकी अगुवाई में पार्टी के 18 विधायकों ने बगावत की कोशिश की थी। पायलट के सार्वजनिक बयान से नेतृत्व के असहमत होने का संदेश देते हुए खेड़ा ने कहा कि अगर किसी को कोई शिकायत है तो उसे एआईसीसी प्रभारी के संज्ञान में लाना चाहिए। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी रंधावा ने अपने बयान में कहा कि पायलट का इस तरह से प्रेस कांफ्रेंस करना उचित नहीं था और उन्हें पहले उनके साथ इस मुद्दे को उठाना चाहिए था।

डीके शिवकुमार ने बढ़ाई सिद्धारमैया की टेंशन, मल्लिकार्जुन खरगे को सीएम बनाने की कर दी वकालत

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। राज्य में सत्ता परिवर्तन का दावा करते हुए कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ बीजेपी पर निशाना साध रही है। गौरतलब है कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस पार्टी के अंदर मुख्यमंत्री पद को लेकर रार शुरू हो चुका है कर्नाटक कांग्रेस में इस समय दो बड़े चेहरे हैं, पहला कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार और दूसरा अनुभवी राजनेता सिद्धारमैया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर प्रतिस्पर्धा चल रही है। इसी बीच डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की रेस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की इंट्री करवा दी दरअसल, कर्नाटक कांग्रेस में 'दलित सीएम' और 'पुराने बनाम नए' की चर्चा के बीच डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया को अलग-थलग करने की कोशिश में बतौर सीएम मल्लिकार्जुन खरगे का नाम उछाल दिया है सोमवार को संवाददातओं से बातचीत करते हुए शिवकुमार ने कहा कि अगर आगमी चुनाव के बाद मल्लिकार्जुन खरगे राज्य के मुख्यमंत्री बनते हैं तो वो उनके अधीन काम करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर यह बातचीत होती है कि दिग्गज नेता खरगे के साथ ठअन्यायठ हुआ है। हालांकि, शिवकुमार ने कहा है कि पार्टी का फैसला अंतिम है। उन्होंने आगे कहा,ठवह (खरगे) हमारे वरिष्ठ नेता और एआईसीसी अध्यक्ष हैं। वो मुख्यमंत्री पद की मांग नहीं करते, कांग्रेस सत्ता में आए, यही उनकी एकमात्र इच्छा है। वह एक वरिष्ठ नेता हैं।" शिवकुमार ने कहा, ठपार्टी जो कहती है हमें उसका पालन करना चाहिए। खरगे पार्टी के शीर्ष पर हैं। मैं इसे पार्टी पर छोड़ दूंगा, सिद्धारमैया और अन्य लोग भी पार्टी का पालन करेंगे। पार्टी महत्वपूर्ण है।ठवहीं, शिवकुमार ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे, राज्य और देश के लिए एक संपत्ति हैं...मैं पार्टी के फैसले का पालन करूंगा, वह मुझसे 20 साल वरिष्ठ हैं...मैं उनकी इच्छा के प्रति प्रतिबद्ध हूं।

एनसीआरएफ में वेद और पुराण में विशेषज्ञता को भी शामिल करने की पहल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मंगलवार को जारी नए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) में पुराणों, वेदों, धर्मशास्त्रों, ज्योतिष आदि भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्य आयामों को भी शामिल करने की पहल की गई है। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा की 18 प्रमुख विद्याओं और 64 कला कौशल आदि का उल्लेख किया गया है। आयोग ने जारी नोटिस में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सामान्य शिक्षा एवं व्यवसायिक शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया है। नोटिस के साथ एनसीआरएफ रिपोर्ट को संलग्न करते हुए सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों से इसे लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया गया है। एनसीआरएफ में विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वालों को क्रेडिट प्रदान करने का प्रविधान किया गया है। एनसीआरएफ में कहा गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों में एक अहम मुद्दा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने वालों को क्रेडिट प्रदान करने का है राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने वालों को क्रेडिट प्रदान करने को खेल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक कार्य, मंचीय कला, ललित कला, परंपरा, धरोहर, साहित्य, भारतीय ज्ञान परंपरा आदि क्षेत्रों में बढ़ावा दिया जाए।

राहुल गांधी पर दिए बयान को लेकर जयराम रमेश ने गुलाम नबी आजाद पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव संचार जयराम रमेश ने सोमवार को डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद पर उनकी कथित टिप्पणी को लेकर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी के कथित तौर पर 'अवांछनीय कारोबारियों' से संबंध हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व पर ये 'अपमानजनक बयान' प्रासंगिक बने रहने के लिए उनकी हताशा को दर्शाता है। ट्वीट कर कहा, ठहर बीतते दिन के साथ, गुलाम नबी आजाद अपने असली चरित्र और पीएम मोदी के प्रति अपनी वफादारी का प्रदर्शन करने का कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मैं केवल यह कह सकता हूं कि वह दयनीय हैं। रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर साधा निशाना इससे पहले, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने गुलाम नबी आजाद के बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं तो 'अवांछनीय कारोबारियों' से मिलते हैं... आखिर राहुल गांधी किससे मिलते हैं उनका एजेंडा क्या है क्या राहुल गांधी देश को कमजोर करने के लिए भारत विरोधी व्यापारियों के साथ काम कर रहे हैं बता दें, गुलाम नबी आजाद ने एक मलयालम न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी समेत पूरे परिवार के विदेशों में कई कारोबारियों से संबंध रहे है। मैं ऐसे 10 नाम गिनवा सकता हूं, जिनसे राहुल विदेशों में जाकर मिलते हैं, जिनमें कई अवांछित

कारोबारी भी शामिल हैं। आजाद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा पिछले सप्ताह अपनी पुरानी पार्टी की आलोचना करने के बाद कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि वे पार्टी की प्रणाली के बड़े लाभार्थी रहे हैं, लेकिन हर बीतते दिन के साथ वे यह शक्तिशाली सबूत देते हैं कि उनके लिए यह उदारता 'अवांछित' थी। राहुल गांधी ने पूर्व कांग्रेस नेताओं पर किया कटाक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कुछ नेताओं पर कटाक्ष किया, जिन्होंने हाल के वर्षों में कांग्रेस छोड़ दी है और जिनमें से कुछ अडानी मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आक्रामक रहते हुए भाजपा में शामिल हो गए हैं। उनके ट्वीट में गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिमंत बिस्वा सरमा, किरण कुमार रेड्डी और अनिल के एंटनी थे। कांग्रेस छोड़ने के बाद, आजाद ने अपनी पार्टी बनाई, जबकि बाकी भाजपा में शामिल हो गए। सिंधिया अब केंद्रीय मंत्री हैं और सरमा असम के मुख्यमंत्री हैं।

रामनवमी पर प्रभास की 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज, लुक देख हक्के-बक्के रह गए लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रभास ने एक बार फिर से अपनी कमर कस ली है। वह सोशल मीडिया पर यूजर्स हैरान रह गए हैं। रामनवमी पर सामने आया 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर बाण लिए लक्ष्मण का किरदार निभा रहे सनी सिंह भी इस लुक में बहुत ही जम रहे हैं। इस बिल्कुल नए 'ये बहुत ही अच्छा पोस्टर है, जिसमें लुक काफी अच्छा है और उसे पूरे सम्मान के साथ इसे पेश किया

इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस मूवी में प्रभास के साथ-साथ कृति सेनन और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।आदिपुरुष' के पोस्टर पहले भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन उसकी वजह से प्रभास और मेकर्स दोनों को ही सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब रामनवमी के इस पावन मौके पर प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसे देखकर प्रभास ने कुछ समय पहले ही अपने इंस्टाग्राम पर अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर आउट किया है और फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है। इस नए पोस्टर में प्रभास भगवान राम के रूप में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास एक तरफ माता सीता का किरदार निभा रहीं कृति सेनन खड़ीं हुई हैं, जो सिम्पल साड़ी और शॉल ओढ़ें नजर आ रही हैं।माथे पर बिंदी लगाए उनका ये लुक देखते ही बन रहा है। इसके अलावा उनकी दूसरी तरफ धनुष-पोस्टर में हनुमान भी हैं। प्रभास ने सुबह-सुबह इस पोस्टर को जारी करके अपने चाहने वालों को रामनवमी की बधाई दी। आते ही ये पोस्टर सोशल मीडिया पर छा गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए प्रभास ने कैप्शन में लिखा, 'मंत्रों से बढ़कर तेरा नाम, जय श्री राम'। इस पावन अवसर पर प्रभास की इस फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस खुशी से झूम उठे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जय श्रीराम'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'रिकॉर्ड ब्लास्ट होगी ये फिल्म'। अन्य यूजर ने लिखा, गया है'। हालांकि, एक यूजर्स का एक सेक्शन ऐसा भी है, जो प्रभास और मेकर्स को एक बार फिर से अपना निशाना बनाते हुए नजर आ रहे हैं। इस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म प्रभास-कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष 16 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'बाहुबली' और 'बाहुबली-2' जैसी फिल्मों के बाद इस अवतार में प्रभास को देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है।

क्या 'दृश्यम 2' जैसी कामयाबी दोहरा पाएगी अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। साल 2023 की पहली तिमाही गुजरने को है, मगर बॉक्स ऑफिस का मिजाज किसी की समझ नहीं आ रहा। शाह रुख खान की फिल्म 'पठान' ने पांच सौ करोड़ से ज्यादा नेट कलेक्शन करके जो उम्मीद जगायी थीं, वो बाद में आयी फिल्मों ने धराशायी कर दीं। रणबीर कपूर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'तू झूठी मैं ऑफिस पर विफल रहीं। अब गुरुवार (30 मार्च) को अजय देवगन की फिल्म 'भोला' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही। 'तू झूठी मैं मक्कार' के बाद अब 'भोला' से बॉक्स ऑफिस पर चमत्कार की उम्मीद की जा रही है।'भोला' के ओपनिंग डे कलेक्शन का अनुमान लगाने के लिए अजय की उन फिल्मों का विश्लेषण करना होगा, जिनका उन्होंने निर्देशन भी किया है, क्योंकि फिल्म 'यू मी और हम' को 2.21 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। अजय के निर्देशन में बनी सभी फिल्मों में सबसे सफल 'शिवाय' ही है, जो एक्शन-थ्रिलर थी। 'भोला' भी इसी जॉनर की फिल्म है और शिवाय की तरह फेस्टिवल पर आ रही है, ऐसे में छुट्टी का फायदा इस फिल्म को मिल सकता है। हालांकि, रमजान की वजह से फिल्म के दर्शक कम भी हो सकते हैं। अब, अजय थी। अजय की सबसे बड़ी ओपनिंग 'गोलमाल अगेन' की है। 2017 में आयी फिल्म को पहले दिन 30 करोड़ मिले थे। इस लिहाज से देखें तो 'भोला' को 10-12 करोड़ की कमाई करने की उम्मीद जतायी जा रही है। अजय देवगन की फिल्म 2डी, 3डी और आइमैक्स फॉर्मेट्स में रिलीज हो रही है। इसे यूए सर्टिफिकेट मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 3-4 हजार स्क्रींस

मक्कार' जरूर बॉक्स ऑफिस पर टिककर खेली, मगर उससे पहले और बाद में आयी फिल्मों ने निराश ही किया। तू झूठी मैं मक्कार 130 करोड़ से ज्यादा जमा कर चुकी है और फिल्म अभी भी रेस में बनी हुई है। फैंस ही नहीं ट्रेड की नजरें भी 'भोला' पर रानी मुखर्जी की 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे', कपिल शर्मा की 'ज्विगाटो' और राजकुमार राव की 'भीड़' बॉक्स 'भोला' के अजय निर्देशक भी हैं। दूसरा ऐसी फिल्में, जिनमें उन्होंने सिर्फ अभिनेता के तौर पर काम किया है। अजय के निर्देशन में बनी पिछली फिल्मों की बात करें तो 29 अप्रैल 2022 को आयी 'रनवे 34' ने 3.50 करोड़ की ओपनिंग ली थी। 2016 में 28 अक्टूबर को रिलीज हुई 'शिवाय' को 10.24 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। वहीं, अजय की डायरेक्टोरियल डेब्यू की उन फिल्मों की बात करें, जो उन्होंने दूसरे निर्देशकों के साथ की हैं तो पिछले साल दिवाली के मौके पर आयी 'थैंक गॉड' को 8 करोड़ के आसपास की ओपनिंग मिली थी। वहीं, 'दृश्यम 2' ने 15 करोड़ के आसपास ओपनिंग ली थी।उससे पहले 2020 में आयी 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को भी 15 करोड़ से अधिक की ओपनिंग मिली थी। यह फिल्म भी एक्शन से भरपूर पर उतारी जाएगी। 'भोला' के सामने वैसे तो तो चुनौती नहीं है। मगर, तेलुगु फिल्म 'दसरा' रास्ता मुश्किल कर सकती है। नानी अभिनीत यह फिल्म हिंदी में भी रिलीज की जा रही है। इसकी 'पुष्पा' जैसी रॉ और रस्टिक अपील सिंगल स्क्रीन दर्शकों को प्रभावित कर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो 'भोला' की चुनौती बढ़ जाएगी।

रणवीर सिंह बने इस स्पोर्ट्स चैनल के 'सूत्रधार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। खेल और बॉलीवुड सेलेब्रिटीज का रिश्ता काफी गहरा है। यह रिश्ता कभी किसी मैच तो कभी किसी अफेयर के जरिए सामने आता रहता है। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज खेलों से जुड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब आइपीएल

2023 से पहले रणवीर सिंह को खेलों से जुड़ने का बड़ा मौका मिला है। रणवीर को स्टार स्पोर्ट्स चैनल ने अपना ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त किया है। रणवीर इनक्रेडिबल लीग के इस सीजन में 'सूत्रधार' की भूमिका निभाएंगे। रणवीर, लीग से जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाएंगे। साथ ही लीग के वर्तमान और भविष्य को लेकर भी बातें करेंगे। सूत्रधार का सफर 31 मार्च से 2 अप्रैल के वीकेंड से शुरू हो जोगा, जिसमें रणवीर टूर्नामेंट के 16वें एडिशन से जुड़ी कुछ खास बातें बताएंगी। इस एसोसिएशन को लेकर रणवीर ने कहा कि खेलों का शौकीन होने की वजह से इस ब्रांड से जुड़ना उनके लिए एक खास अनुभव है। स्टार स्पोर्ट्स पर वर्ल्ड स्पोर्ट्स के कुछ शानदार लम्हे देखते हुए हम बड़े हुए हैं। इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड संजोग गुप्ता का कहना है कि उनके साथ जुड़कर हम उन दर्शकों तक पहुंचना चाहते हैं, जो अभी तक अपने भीतर छुपी खेलों की दीवानगी और उसके जुनून से अनजान हैं। इसमें वो लाखों दर्शक शामिल हैं, जो क्रिकेट नहीं देखते या नियमित तौर पर क्रिकेट से नहीं जुड़े हैं। रणवीर के साथ हमारी कोशिश यही है कि उनकी लोकप्रियता और कहानी कहने के उनके प्रभावशाली अंदाज के जरिए हम खेलों में भी वही जादू जगा सकें।

ऐश्वर्या राय और मणिरत्नम की उपस्थिति में हुआ पीएस 2 का ट्रेलर लॉन्च

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऐश्वर्या राय बच्चन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इए2 का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसके पहले एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें ऐश्वर्या राय बच्चन के अलावा मणिरत्नम ने भी भाग लिया। इस अवसर पर ऐश्वर्या राय बच्चन मनिरत्नम के पैर छूते नजर आई। वहीं, उन्होंने मणिरत्नम की पत्नी सुहासिनी को गले लगाया। पोन्नीइन सेल्वन 2 फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐश्वर्या राय बच्चन काफी खूबसूरत लग रही थी। इस फिल्म में वह दोहरी भूमिका में है। इसके पहले चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। गौरतलब है कि फिल्म के पहले भाग को काफी पसंद किया गया था। यह 2022 में रिलीज हुई थी। अब का ट्रेलर जारी किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अवसर पर खूबसूरत पिंक और गोल्डन कलर की ड्रेस पहन रखी है। पोन्नीइन सेल्वन 2 फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐश्वर्या राय बच्चन काफी खूबसूरत लग रही थी। इस फिल्म में वह दोहरी भूमिका में है। इसके पहले चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। गौरतलब है कि फिल्म के पहले अवसर पर खूबसूरत पिंक और गोल्डन कलर की ड्रेस पहन रखी है। ऐश्वर्या राय ने मनिरत्नम के साथ पहले भी काम किया है। उनका राय बॉलीवुड के अलावा साऊथ की फिल्म इंडस्ट्री में भी काफी फेमस है। वह कई कलाकारों के साथ काम कर चुकी है।

भाग को काफी पसंद किया गया था। यह 2022 में रिलीज हुई थी। अब का ट्रेलर जारी किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करना भी पसंद करते है। दोनों की जोड़ी भी काफी फेमस है। ऐश्वर्या वह बॉलीवुड की फिल्मों म भी जल्द नजर आनेवाली है। वह हाल ही में फिल्म फन्ने खान में नजर आई थी।

पुष्पा में आइटम डांस के लिए सामंथा का परिवार नहीं था राजी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।साउथ के साथ बॉलीवुड में भी अपनी क्यूटनेस और एक्टिंग से फैंस के दिलों में राज करने वाली सामंथा इन दिनों फिल्म शकुंतलम के प्रमोशन में बिजी हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में

इसे लेकर एक इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कई राज खोले। एक्ट्रेस ने फिल्म पुष्पा के लिए आइटम सॉन्ग करने से मना करने का कारण भी बताया। साथ ही उन्होंने अपने तलाक पर भी कई बातें शेयर कीं। सामंथा ने मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में बताया, 'जब मुझे 'ओ अंटवा' ऑफर हुई थी, उस वक्त मेरा तलाक होने वाला था। ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद लोगों ने मुझसे कहा कि आइटम सॉन्ग मत करो। यहां तक कि जो मेरे सबसे करीबी दोस्त थे, जो हमेशा मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने भी मुझे बैकआउट करने को कहा।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने सोचा कि क्या मैंने कोई अपराध किया है मैं क्यों छिपकर रहूं। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया था। मैं इस बात का इंतजार नहीं कर सकती थी कि लोग मुझसे नफरत करें, मेरी ट्रोलिंग करें और मैं थक हार कर घर में बैठ जाऊं। मैं छिपने वाली नहीं थी, क्योंकि मैंने कोई अपराध नहीं किया था। सामंथा ने अपनी शादी पर बात करते हुए आगे कहा, 'मैंने शादी को अपना 100इ् दिया। अब वो नहीं चली इसमें मेरा कोई कसूर नहीं है। मैं अपने आप को दोष नहीं दे सकती थी और न ही गिल्ट महसूस कर सकती थी।

मनीषा कोइराला का दावा- रजनीकांत की 'बाबा' फ्लॉप होने के चलते साउथ में हुआ करियर का अंत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने एक इंटरव्यू में कहा है कि रजनीकांत की तमिल फिल्म बाबा रिलीज हुई थी। यह फिल्म फ्लॉप हो गई थी। इसके चलते दक्षिण भारत में उनका करियर लगभग समाप्त हो गया था। मनीषा कोइराला 'बाबा मेरी तमिल फिल्म इंडस्ट्री में आखिरी बड़ी फिल्म थी। यह उन दिनों इतनी बुरी तरह फ्लॉप हुई कि यह डिजास्टर साबित हुई। इस के जन्मदिन पर इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया, तब बॉक्स ऑफिस पर इसने अच्छी कमाई की। गौरतलब है कि बाबा

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद उन्हें दक्षिण से ऑफर आने बंद हो गए थे। हालांकि, जब इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया तो यह हिट साबित हुई। बाबा फिल्म को दिसंबर 2022 में दोबारा से रिलीज किया गया था। मनीषा कोइराला बॉम्बे, इंडियन और मुधालवन जैसी कई फिल्मों में काम किया था। यह फिल्म काफी पसंद की गई थी। बाबा 2002 में ने इंडिया ओ2 को इंटरव्यू दिया है। उन्होंने अपने करियर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार उनका करियर प्रभावित हुआ था। ट्विटर पर मनीषा कोइराला के इंटरव्यू की एक क्लिप वायरल हो रही है। इसमें बाबा के फ्लॉप होने पर पड़े उनके करियर के प्रभाव के बारे में सुना जा सकता है। वीडियो में मनीषा कोइराला कहती नजर आ रही हैं, फिल्म से लोगों को बहुत ज्यादा अपेक्षाएं थी और जब फिल्म फ्लॉप हुई तो मुझे लगता है दक्षिण की फिल्मों से मेरा करियर भी लगभग समाप्त हो गया।' मनीषा कोइराला ने यह भी कहा कि बाबा के पहले उन्होंने दक्षिण की कई फिल्मों में काम किया है। वह आगे कहती हैं, 'बाबा के फ्लॉप होने के बाद मुझे ऑफर मिलना बंद हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि जब रजनीकांत में रजनीकांत की अहम भूमिका थी। फिल्म को 20 वर्षों के बाद दोबारा भी रिलीज किया गया था। इस बारे में बताते हुए मनीषा कोइराला कहती हैं, 'बड़ी विचित्र बात है। जब फिल्म को हाल ही में दोबारा भी रिलीज किया गया, तब यह फिल्म हिट साबित हुई है। रजनी सर कभी भी फ्लॉप देने के लिए नहीं जाने जाते। उनके साथ काम करने में मजा आता है।

अर्जुन कपूर की बहन ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें, तस्वीरें देख लोगों ने कहा- मलाइका से भी एक कदम आगे निकली

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अंशुला बीते कुछ वक्त से अपने ब्वॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर को डेट करने को लेकर खबरों में छाई हैं। अंशुला, रोहन संग इस वक्त मालदीव में क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। मालदीव से अंशुला ब्वॉयफ्रेंड संग रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इसी बीच अंशुला का बोल्ड फोटोशूट तेजी से वायरल हो रहा है अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला का सुपर बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है। फोटोज में आप देख सकते हैं कि अंशुला ने ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। इस ड्रेस को पहन कर वह जमीन में बैठकर हॉट पोज देती दिख रही हैं। तस्वीरों में अंशुला के एक्सप्रेशन काफी बोल्ड हैं। ऐसा लग रहा है जैसे वह अपनी आखों के जरिए बहुत कुछ कहना चाहती हैं। अंशुला कपूर ने अपनी इन तस्वीरों के साथ एक खास कैप्शन लिखा है। वो लिखती हैं, 'अपने शरीर से प्यार करने और उस पर के लिए काम करने वाली सभी लड़कियों के लिए जोर से आवाज उठाएं, क्योंकि यह मुश्किल है और मुझे आप पर गर्व है।' बता दें कि अंशुला की फैट टू फिट जर्नी काफी मुश्किलों भरी रही है। एक वक्त उनका वजन काफी ज्यादा था, लेनिक उन्होंने अपनी कड़ी मेहतन से आज खुद को फिट और हॉट बनाया है। अंशुला की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन पर फैंस कमेंट कर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस पर कमेंट कर कई यूजर्स उनके कर्ली बालों की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कई उनकी हॉटनेस पर फिदा हो रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर उनकी तुलना अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा से करते हुए कहा कि आप बोल्डनेस में उनसे एक कदम आगे निकलीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।